डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 36 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 06 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

गोविंद सिंह डोटासरा का कांग्रेस पार्टी में बढ़ रहा है कद

-कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के सबसे प्रबल दावेदार

-आरएसएस की खुलकर आलोचना करने वाले नेता हैं कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा। जबकि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं सचिन पायलट दोनों ही आरएसएस की आलोचना करने से बचते हैं।

मुन्ना खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का जन्मदिन जयपुर में शक्ति प्रदर्शन का दिन बन गया। डोटासरा के जन्मदिन पर कांग्रेस पार्टी के सांसदों, विधायकों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भीड़ यह साबित करने के लिए काफी है कि डोटासरा ने कुशल राजनीतिक, कुशल वक्ता के साथ-साथ मजबूत संगठन बनाने की जबर्दस्त क्षमता रखते हैं। जन्मदिन पर प्रदेश भर से आई भीड़, पार्टी एवं संगठन में उनकी पकड़ की ओर इंगित करती है। कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा के नेतृत्व में राजस्थान के लोकसभा 2024 में 14 सीटों तक सीमित करके 10 सांसद कांग्रेस के जीता लिए। इससे पहले विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस ने डोटासरा के नेतृत्व में 69 सीटे जीती। गोविंद सिंह डोटासरा का प्रदर्शन पूर्ववर्ती कांग्रेस अध्यक्षों से बेहतर है। डोटासरा को 2020 में पीसीसी अध्यक्ष बनाया गया था। तब से आज तक प्रदेश में कांग्रेस संगठन काफी मजबूत हुआ है और पार्टी अपने कोर वोट बैंक दलित, पिछड़े, किसान एवं अल्पसंख्यकों में पकड़ मजबूत करने में कामयाब रही है।

आरएसएस की खुलकर आलोचना-

प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट मुख्यमंत्री के दावेदार माने जाते हैं। प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री की पार्टी में काफी लोकप्रियता है और राजनीति का लंबा अनुभव है। लेकिन गहलोत किसी भी परिस्थिति में आरएसएस की आलोचना नहीं करते हैं या करते हैं तो मामूली तरीके से। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट तो आरएसएस की और उसके विचारधारा की आलोचना करने से हमेशा ही बचते रहते हैं। जबकि कांग्रेस का कोर वोटर कभी भी आरएसएस की विचारधारा को पसंद नहीं करता है। दूसरी तरफ पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा आरएसएस के मुखर आलोचक हैं और राजनीतिक मंचों से आरएसएस की आलोचना करने में कभी पीछे नहीं रहते हैं। यही कारण है कि किसान, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों में डोटासरा को काफी पसंद किया जाता है। डोटासरा प्रदेश की भाजपा सरकार की और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जिस तरह आलोचना और विरोध करते हैं उतना कोई दूसरा कांग्रेसी नेता सोच भी नहीं सकता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरह डोटासरा आरएसएस और भाजपा की तीव्र आलोचना और उनमें कमियां निकालने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। यही कारण है कि प्रदेश कांग्रेस में कार्यकर्ताओं में भाजपा विरोध की भावना दिखाई देने लगी है। कांग्रेस में ऐसे वरिष्ठ नेताओं की कमी नहीं है जो कांग्रेस में रहकर भाजपा और आरएसएस से दोस्ती रखते हैं और मदद भी करते हैं। लेकिन गोविंद सिंह डोटासरा में ऐसा दिखाई नहीं देता है। यही कारण है कि डोटासरा कांग्रेस आलाकमान के चहेते बने हुए हैं। डोटासरा की कांग्रेस पार्टी में सक्रियता और आलाकमान की पसंद के कारण उन्हें पार्टी में कोई बड़ी जिम्मेदारी दिला सकती है।

कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने की प्रबल संभावना-

पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा में मजबूत संगठन बनाए रखने और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की क्षमता है। डोटासरा ने क्षमतावान विभिन्न कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी मंचों पर आगे बढ़ाया है। डोटासरा के पीसीसी अध्यक्ष रहते ऐसा कभी नहीं लगा कि प्रदेश में विपक्ष कमजोर है। इसके अलावा डोटासरा जाट वर्ग के कांग्रेस नेता हैं जो उनकी मजबूती का कारण है। डोटासरा के कारण ही जाट वर्ग अब कांग्रेस की पूरी तरह साथ है। दलित नेता और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से उनकी अच्छी ट्यूनिंग है। कांग्रेस विचारधारा को जिस तरह डोटासरा ने मजबूत किया है पहले कोई पीसीसी अध्यक्ष नहीं कर पाया है। आगामी विधानसभा में अगर कांग्रेस जीत कर आती है तो यह भी निश्चित माना जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट एक दूसरे को मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे। ऐसी स्थिति में पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के भाग्य का फैसला हो सकता है। लेकिन डोटासरा की मेहनत, विचार, संगठन में पकड़ और आरएसएस की आलोचन खुलकर करना उनके नंबर बढ़ाता है। इसलिए कहा जा सकता है कि वर्तमान पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की भविष्य में मुख्यमंत्री बनने की प्रबल संभावना हो सकती है।

डंके की चोट पर मध्यप्रदेश में लागू होगा ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण- मोहन यादव

-ओबीसी आरक्षण को लेकर मध्यप्रदेश में घमासान

-मुख्यमंत्री मोहन यादव को बताया जा रहा है रामद्रोही और सवर्ण द्रोही

एम खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मध्य प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को लेकर सवर्ण वर्ग एवं ओबीसी वर्ग में घमासान छिड़ा हुआ है। सोशल मीडिया पर आ रही खबरों की माने तो सवर्ण और ओबीसी वर्ग का यह का घमासान भाजपा को भारी पड़ सकता है। एक तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में डंके की चोट पर ओबीसी का 27 प्रतिशत आरक्षण लागू होगा। मुख्यमंत्री के प्रतिक्रिया के बाद सवर्ण वर्ग की ओर से उनके विरोध में सोशल मीडिया पर तीव्र क्रोध और टिप्पणी दिखाई दी। स्वामी आनंद स्वरूप ने तो मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को देशद्रोही, धर्मेंद्रोही, रामद्रोही एवं सवर्ण द्रोही तक बता दिया। स्वामी आनंद स्वरूप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग कर दी। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं किया गया तो मध्यप्रदेश से भाजपा समाप्त हो जाएगी। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देना चाहते हैं। मध्यप्रदेश में पहले से 14 प्रतिशत आरक्षण ओबीसी, 16 प्रतिशत एससी, 20 प्रतिशत आरक्षण एसटी और 10 प्रतिशत आरक्षण ईडब्ल्यूएस (सवर्ण) को मिल रहा है। सवर्ण वर्ग ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाने के प्रयास का विरोध कर रहा है। मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सदस्य हैं।

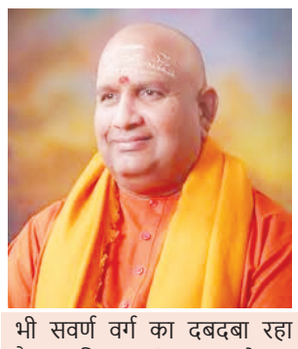

27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का क्या प्रभाव पड़ेगा-

मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू होने से कुल आरक्षण की सीमा 74 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। पहला सवर्ण वर्ग को पूरे 50 प्रतिशत नॉन आरक्षण का फायदा मिल रहा था। लेकिन 27 प्रतिशत आरक्षण मध्यप्रदेश में लागू होने के बाद 26 + 10 (ईडब्ल्यूएस) 36 प्रतिशत का ही फायदा मिल पाएगा। भाजपा शासित राज्यों में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू होने का यह पहला मामला सामने आया है। सवर्ण वर्ग के लोग मोहन यादव को सवर्ण एवं भाजपा विरोधी बताने लगे हैं।

जातियों का ध्रुवीकरण बढ़ेगा-

मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू होने के बाद राजनीतिक परिदृश्य बदलने की पूरी संभावना है। मध्यप्रदेश में ज्यादातर सवर्ण वर्ग के मुख्यमंत्री बनते आए हैं और सरकारों में भी सवर्ण वर्ग का दबदबा रहा है। जबकि जनसंख्या 10 से 15 प्रतिशत से ज्यादा नहीं है। आरक्षण लागू होने से सत्ता और शासन में ओबीसी, एससी, एवं एसटी के लोगों का दबदबा बढ़ेगा। अगर ऐसा होता है तो भाजपा के शासन में सवर्ण वर्ग का बड़ा नुकसान होगा। जबकि सवर्ण वर्ग के कारण ही भाजपा सत्ता में है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए बीजेपी मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री बदलेगी या फिर सवर्ण वर्ग से किनारा करेगी? भविष्य में ही पता चल पाएगा।

कालीबाई मेधावी छात्रा स्कूटी योजना के आवेदन 31 अक्टूबर तक

-उच्च शिक्षा छात्रवृति व स्कूटी हेतु मांगे आवेदन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । अल्पसंख्यक मामलात विभाग, राजस्थान ने अल्पसंख्यक वर्ग की छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए "मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृति योजना" के अंतर्गत से आवेदन मांगे हैं । इसके अतिरिक्त छात्राओं में उच्च शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ाने व उनको प्रोत्साहित करने के लिए "कालीबाई मेधावी छात्रा स्कूटी योजना" में भी आवेदन 31.10.2025 तक मांगे गए हैं । योजना से सम्बन्धित नियम, दिशा-निर्देश कोलेज शिक्षा विभाग के वेबसाइट https://hte.rajasthan.gov.in के होम पेज पर ऑनलाइन स्कोलरशिप पर उपलब्ध है । आवेदन करने के लिए विद्यार्थी के पास जन आधार कार्ड होना ज़रुरी है एवं उसमें भरी हुई सूचनाएं यथा जाति, मूल निवास, बैंक डिटेल इत्यादि अपडेट होनी चाहिये । इसके लिए विभाग का परिपत्र क्रमांक-955 दिनांक 30.12.2021 का अच्छी तरह अध्ययन करके ही आवेदन करें ।

बिहार विधानसभा चुनाव में जनस्वराज और एमआईएम, एनडीए और इंडिया गठबंधन को नुकसान पहुंचाएगी !

-प्रशांत किशोर और ओवैसी बढ़ाएंगे अपना जनआधार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार विधानसभा चुनाव में एमआईएम और जनस्वराज पार्टी प्रभाव कम नहीं है। एमआईएम ने विधानसभा चुनाव 2020 में पांच विधानसभा सीटे जीती थी। जिनमें से बाद में चार विधायक राजद में चले गए। बिहार के मुसलमानो में एमआईएम प्रमुख सांसद असदुद्दीन ओवैसी को काफी पसंद किया जाता है। मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों जिनमें मुसलमानों की आबादी 40 से 70 प्रतिशत तक है एमआईएम कुछ सीटे जीत सकती है। वैसे एमआईएम इंडिया गठबंधन से समझौता करना चाहती है और करीब 6 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। लेकिन इंडिया ग्रुप एमआईएम से गठबंधन नहीं करना चाहता है। ऐसी स्थिति में एमआईएम 18 से 20 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। इसी तरह प्रशांत किशोर की पार्टी जनस्वराज बिहार की सभी सीटों पर चुनावी मैदान में है। प्रशांत किशोर को चुनाव रणनीतिकार माना जाता है। प्रशांत किशोर की पार्टी बिहार में शिक्षा, रोजगार और विकास के मुद्दे पर चुनावी मैदान में है। बिहार में जनस्वराज पार्टी एवं एमआईएम दोनों ही विधानसभा में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहती है। प्रशांत किशोर की चुनावी रणनीति से दोनों गठबंधन एनडीए और इंडिया गठबंधन में घबराहट है। लेकिन स्वराज और एमआईएम का गठबंधन की बात अभी तक सामने नहीं आई है। वैसे राजनीति में कुछ भी संभव है।

कितना नुकसान होगा एनडीए और इंडिया गठबंधन को-

प्रशांत किशोर की स्वराज पार्टी दोनों गठबंधनों को नुकसान पहुंचाएंगी। क्योंकि स्वराज पार्टी किसी जाति, धर्म एवं वर्ग विशेष की पार्टी नहीं है। स्वराज पार्टी में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व है। प्रशांत किशोर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी जेडीयू का ज्यादा विरोध करते हैं। लेकिन यह माना जा रहा है कि प्रशांत किशोर दोनों गठबंधन की पार्टियों को नुकसान पहुंचाएंगे। बिहार में स्वराज पार्टी को अच्छा जनसमर्थन मिल रहा है। इसलिए प्रशांत किशोर की पार्टी के कुछ विधायक जीत कर जरूर आएंगे। इसी तरह एमआईएम पार्टी के पिछली विधानसभा में पांच विधायक जीतकर आए थे और कांग्रेस एवं राजद को बड़ा नुकसान पहुंचा था। इस बार भी एमआईएम पार्टी, राजद और कांग्रेस दोनों को नुकसान पहुंचाएंगी। माना जा रहा है कि एमआईएम फिर से 5-10 सिटे जीत सकती है। एमआईएम सिर्फ मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर चुनावों में सीमित रहेगी। लेकिन नुकसान इंडिया गठबंधन को और फायदा एनडीए को करेंगी।

शिक्षक राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षक ज्ञान के वाहक हैं, जो राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। उनकी शिक्षा ही समाज को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के शिक्षक भारत को ज्ञान में विश्वगुरु, संस्कृति में समृद्ध, मूल्यों में अग्रणी और चरित्र में श्रेष्ठ बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। शर्मा रविवार को जयपुर के जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के 9वें अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 1988 में स्थापित हुआ अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ऐसा मंच है जहां 'राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक, शिक्षक के हित में समाज' का त्रिसूत्रीय वाक्य साकार होता है।

महासंघ ने राष्ट्रीयता और भारतीय दर्शन की भावना पर किया प्रभावी कार्य-

मुख्यमंत्री ने कहा कि महासंघ ने समाज में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अलख जगाने का काम किया है। राष्ट्रीयता और भारतीय दर्शन की भावना से ओतप्रोत होकर इस संगठन से जुड़े शिक्षक प्री-प्राइमरी से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि महासंघ राष्ट्रभक्ति और चारित्रिक मूल्यों का संचार करते हुए संस्कारवान युवाओं का निर्माण कर रहा हैं।

परीक्षा प्रणाली में स्थापित की पारदर्शिता-

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। हमारी सरकार ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता स्थापित की, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के समय में केवल पेपरलीक ही हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच वर्ष में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी के लक्ष्य पर कार्य कर रही है। जिसमें से लगभग 91 हजार युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है।

किसानों और खेतिहर श्रमिकों सहित वंचित वर्ग के बच्चों को किया शुल्क माफ-

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए सत्र 2024-25 से राजकीय महाविद्यालयों में राजकीय निधि कोष में लिये जाने वाला शुल्क पूर्णतः माफ किया है। यह निर्णय समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, हमने वंचित वर्ग के बच्चों के लिए शुल्क माफी, छात्रवृत्तियां और विशेष प्रावधान भी किए हैं।

भाषायी विद्यालयों की होगी स्थापना, युवाओं को विदेश में मिलेगा रोजगार-

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से भाषायी विद्यालय प्रारम्भ करने जा रही है। इसके अन्तर्गत प्रदेश में ही विभिन्न विदेशी भाषाओं की परीक्षाएं आयोजित होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 10 लाख 51 हजार साइकिलों का वितरण किया गया है। साथ ही, 88 हजार 724 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट मय इंटरनेट कनेक्शन निःशुल्क वितरित किए हैं। इससे युवा सक्षम बनेंगे। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि महासंघ से जुड़े शिक्षक राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं। वे समाज को अंधकार से उजियारे की ओर ले जा रहे है। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा विभाग शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार और उन्नयन के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रहा है। शेष पृष्ठ 2 पर....

शाह को मिली पी.एच.डी. की उपाधि

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दिल्ली में शनिवार 4 अक्टूबर को आयोजित "International Conferment Award Ceremony 2025" दीक्षांत समारोह में जयपुर के एस. एस. शाह को अमेरिका की प्रतिष्ठित डिजिटल यूनिवर्सिटी द्वारा "ट्रेडिशनल हैल्थ केयर एंड आलटरनेटिव मेडिसिन" विषय पर पी.एच.डी. की मानद उपाधि प्रदान की गई। एस. एस. शाह वर्तमान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त आयुक्त के पद पर आसीन हैं ।

स्वास्थ्य सचिवों के साथ की चर्चा

जयपुर। देश के विभिन्न राज्यों में खांसी की सीरप की गुणवत्ता का मामला सामने आने के बाद भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव द्वारा रविवार को विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य सचिवगण के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत सरकार की सचिव ने राजस्थान द्वारा इस संबंध में उठाए गए कदमों का विशेष रूप से उल्लेखन करते हुए अन्य राज्यों में इन उपायों को अपनाए जाने के निर्देश दिए हैं। शेष पृष्ठ 2 पर....

सभी पार्टी अध्यक्षों को ओमप्रकाश राजभर ने लिखी चिट्ठी

-15 दिन बाद सभी राजनीतिक दलों की मंशा बताएंगे

लखनऊ । सुभासपा अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि वह चिट्ठी के जवाब का 15 दिन इंतजार करेंगे। इसके बाद वह जनता के बीच होंगे और जनता को राजनीतिक दलों की मंशा बताएंगे। राजनीतिक दलों को साफ करना होगा कि वह केवल पिछड़ों का वोट ही लेंगे या उन्हें उनका हक भी देंगे।

ओम प्रकाश राजभर ने शुक्रवार को भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा, निषाद पार्टी, आरजेडी और अपना दल (एस) के अध्यक्षों को पत्र लिखकर ओबीसी आरक्षण को तीन श्रेणियों में बांटने पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए पत्र लिखा था। शनिवार को इस मसले पर उन्होंने कहा कि हुकुम सिंह समिति की रिपोर्ट जब आई थी, तब भाजपा की सरकार जा चुकी थी। इसके बाद सपा और बसपा की सरकारें रहीं, लेकिन उन्होंने समिति की सिफारिशें लागू नहीं कीं। अब रोहिणी आयोग की रिपोर्ट केंद्र के पास है। उसमें भी पिछड़ी जातियों में आरक्षण के बंटवारे का सुझाव है। राजभर ने कहा कि जैसे पंचायत चुनावों में ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था लागू है, उसी तरह विधान सभा और लोकसभा चुनावों में भी आरक्षण की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। इसके बाद ही अति पिछड़ी जातियों को उनका हक मिलेगा। ओम प्रकाश राजभर ने शनिवार को कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव के पीडीए का मतलब परिवार डवलपमेंट अथॉरिटी (परिवार विकास प्राधिकरण) है। उनकी पीडीए पाठशाला में 'ए' से अखिलेश, 'डी' से डिंपल और 'पी' से परिवार पढ़ाया जाता है। वह बताएं कि राजभर, प्रजापति, पाल, चौहान, लोहार, विश्वकर्मा, निषाद, बिंद, केवट, मल्लाह, कश्यप, अर्कवंशी, बंजारा, बहेलिया, मौर्य, सैनी, माली और कुशवाहा कहां जाएं? किस्मत के नाम पर पिछड़ी जातियों के साथ अब तक बहुत अन्याय हुआ। अब नहीं होने देंगे।

GRP
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.
• Real Estate Sales & Marketing
• Facility Management Services
2, 3 & 4 BHK Flats
Tilak Nagar, Raja Park, Jawahar Nagar, Adarsh Nagar, Moti Dungri Road, Fateh Tiba & Nearby Location
+91 8386 94 70 05

अपनी क्षमताओं को पहचानें- डॉ. बी.सी बधाल

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं के कस्बे स्थित टारगेट एजुकेशन पॉइंट में आज गर्ल्स हॉस्टल कैम्पस में प्रतियोगी परीक्षाओं एवं जेट आइसीएआर की तैयारी कर रहे सैकड़ों युवाओं के लिए मोटिवेशनल सेमिनार- 2025 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण डॉ. भागचंद बधाल (सचिव, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर) रहे। इस मौके पर बी.सी ने बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं तथा कृषि शिक्षा में सफल होने के बारे में जानकारी दी उन्होंने बच्चों से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की एवं बच्चों को किताबें वितरित की उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास नहीं है। जिससे वो सफल नहीं हो रहे हैं तथा मल्टीमीडिया के दुरुपयोग के बारे में भी उन्होंने बताया इस दौरान उनका अतिथियों व टारगेट के निदेशक सुरेन्द्र कुमार खीचड़ ओर ग्रामीणों ने साफा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर काफ़ी संख्या में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विधार्थी, टारगेट के सभी विद्यार्थी, स्थानीय पुलिस चौकी प्रभारी जगदीश प्रसाद, सुरेन्द्र कुमार खीचड़, हरिसिंह निठारवाल, कांस्टेबल सीताराम चौधरी, सुनिल यादव, सुरज्ञान कुमावत, कविता चौधरी आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। मंच संचालन सुरेन्द्र कुमार खीचड़ ने किया की।

राजस्थान ग्रामीण बैंक सेवानिवृत DRM ने बताए बैंक के लाभ

-समाज में फैल रही बुराइयों से बचाव के उपाय

सवाई माधोपुर रॉयल पत्रिका)। राजस्थान ग्रामीण बैंक में अपनी 37 साल की सेवाएं दे चुके व DRM के पद से रिटायर्ड हुए इकबाल उस्मानी से रॉयल पत्रिका के संवाददाता ने खास बातचीत की जिसमें उन्होंने अपने पढ़ाई से लेकर कामयाबी तक के सफर को बताया ओर साथ ही बैंक की सुविधाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की उन्होंने बताया कि ग्राहक बैंक से व सरकार की योजनाओं के अंतर्गत आसानी से लाभ के सकता हे। छात्र व किसानों को सस्ती दरों में बैंक ऋण मुहैया करवाता हे और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में इसका लाभ से ले सकते हैं। बैंक की भरपूर सुविधाओं के बाद उन्होंने ने समाज में तेजी से फैल रहा नशा, शराब व सट्टा जैसी बुराइयों से बचाव के उपाय बताए व समाज में शिक्षा स्वास्थ्य में कैसे

सुधार हो उसके बेहतर सुझाव भी रखे। इकबाल उस्मानी जयपुर के रहने वाले हैं उन्होंने ग्रामीण ओर शहरी क्षेत्र में अपनी सेवा दी हे।30 अक्टूबर को सवाई माधोपुर से सेवानिवृत हुए हैं। उन्होंने समाज में शिक्षा स्वास्थ्य ओर सकारात्मक सोच के लिए युवाओं को प्रेरित किया हे व साथ ही स्वयं भी उसपर बेहतर कार्य करने की इच्छा जाहिर की है जिससे कि समाज के युवाओं में जागरूकता बढ़े। समाज में सकारात्मक भाव पैदा हो। जिससे समाज का भला होगा व आने वाली पीढ़ियों में सुधार आएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का किया स्वागत

चौंमूं (रॉयल पत्रिका)।चौंमूं शहर मे सेवादल के कार्यक्रम मे पहुंचने पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। पिछले तीन दिनों से विनय गार्डन मे सेवादल का आयोजन चल रहा है जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के पहुंचने पर जगह-जगह कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूल, माला, साफा पहनाकर स्वागत किया। बड़ी संख्या मे सेवादल कार्यकर्ता मौजूद रहे। गहलोत ने अपने सम्बोधन मे कहा कि चौमू की जनता आज भी कांग्रेस के किए कार्यों की सराहना कर रही है। बीजेपी के 2 साल की सत्ता से जनता काफी परेशान हो गई है जिन वादों के साथ ये सत्ता मे आए थे वो पूरे नही किए, इससे जनता काफी नाराज है। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का स्वागत विधायक डॉक्टर शिखा मिल बराला ने साफा पहनाकर किया। सेवादल के कार्यकर्ताओं ने भी सुत की माला, वह साफा पहनाकर स्वागत किया। पूरा गार्डन कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से भरा हुआ था। शाहपुरा विधायक मनीष यादव भी शामिल हुए उन्होंने अपनी शैली मे बीजेपी पर कड़ा प्रहार किया और कार्यकर्ताओं मे एक नया जोश भर दिया उन्होंने बीजेपी के भ्रष्ट शासन की कड़ी आलोचना की ये कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। विधायक डॉक्टर शिखा मिल बराला, विधायक मनीष यादव, कैलाश मोहन पुरिया सेवादल लल्लू सैनी, पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश विजय वर्गीय, नगर अध्यक शायर मल सैनी, हनुमान बराला, साजिद खान, नगर परिषद अध्यक्ष विष्णु कुमार सैनी, दोनो ब्लाक अध्यक्षों सहित हजारों कांग्रेस सेवादल कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया बने युवा प्रदेश महासचिव

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय सूत्रकार महासभा के राष्ट्रीय संयोजक बी.एम. रोजड़े के आदेशानुसार अखिल भारतीय सूत्रकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव शंकर छत्रपति ने चौमूं तहसील के ग्राम टांकरड़ा निवासी समाजसेवी सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया पुत्र भंवरलाल हरसोलिया को अखिल भारतीय सूत्रकार महासभा राजस्थान प्रदेश का युवा प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है। हरसोलिया को युवा प्रदेश महासचिव बनने पर महासभा के पदाधिकारियों ने हर्ष जताया। हरसोलिया ने शीर्ष नेतृत्व का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

शिक्षा हित में एकजुट हुए विद्यालय संचालक, तहसील में सौंपा ज्ञापन

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। 3 अक्टूबर को कस्बे के विभिन्न निजी विद्यालयों के संचालक बड़ी संख्या में तहसील कार्यालय पहुंचे और शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों व समस्याओं को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान सभी विद्यालय प्रतिनिधियों ने एकजुटता का परिचय देते हुए स्पष्ट कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य सर्वोपरि है और इसके लिए हर स्तर पर मजबूत कदम उठाना समय की मांग है।

ज्ञापन देने पहुंचे प्रतिनिधियों में—

सुरेन्द्र (सर्वोदय), दत्त (डीपीसी), महेंद्र (टैगोर), उमाशंकर (भारती), चेतन व शोएब (जीआर ग्लोबल), संजय (अशोका), रवि (राधगोविंद), अंजना (संस्कार), बजरंग (वीएच आदर्श), विकास (देव), देवेंद्र (ब्रिलियंट), विकास (विवेकानंद), रामोतार (श्याम), जितेंद्र (श्याम), दिनेश (मनोहर), राम लाल (बीपीएस) तथा राजेंद्र यादव (कृष्णा) शामिल रहे। विद्यालय संचालकों ने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है। विद्यालयों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, उनका समाधान निकाले बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभव नहीं है। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों के हित में ठोस और कारगर कदम शीघ्र उठाए जाएं। सभी प्रतिनिधियों ने इस मौके पर एक स्वर में दोहराया कि "हम सबकी एकजुटता का उद्देश्य केवल और केवल विद्यार्थियों का उज्ज्वल भविष्य है।

राहगीरों का स्वागत करती सांगानेर की मेन मार्केट की सीवर लाइनें

सांगानेर की जनता यही चाहती है।

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर की सीवरेज की सारी लाइने डी मेज हो चुकी है। पूरे सांगानेर की सीवर लाइनों को बदलने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी ने 300 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। इससे सांगानेर की बहुत बड़ी समस्या हल हो जाएगी। अभी त्योहारों को सीजन चल रहा है। मेन मार्केट में सीवरेज लाइन उफन रही है। राहगीरों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम के अधिकारी खास तौर से डिप्टी कमिश्नर रवि कुमार गोयल जी ध्यान दें। अपने कर्मचारियों को लापरवाही ना बरत ने दे। मेहनत तो होगी लेकिन अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल जी की विधानसभा सांगानेर को बदनाम ना होने दें। दीपावली का पावन पर्व बड़े सुकून से मनाने में पूर्ण सहयोग दें।

महाराव शेखाजी जयंती पर मुस्लिम समाज की अद्वितीय भागीदारी

-सांसद राव राजेंद्र सिंह का साफा पहनाकर किया ऐतिहासिक सम्मान

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के शेखागढ़ में गुरुवार को आयोजित महाराव शेखाजी की 592वीं जयंती समारोह में मुस्लिम समाज ने अग्रणी भूमिका निभाकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। समाज के बुजुर्गों, नवयुवकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर समारोह की गरिमा बढ़ाई और सांसद राव राजेंद्र सिंह को साफा पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके मुस्लिम समुदाय मनोहरपुर ने महाराव शेखाजी की स्मृति में सहयोग राशि दी। और कहा कि "लोकप्रिय सांसद राव राजेंद्र सिंह ने हमेशा मुस्लिम समाज की समस्याओं को प्राथमिकता दी है। चाहे शिक्षा की बात हो, रोज़गार की या विकास की—उन्होंने बिना भेदभाव हर वर्ग के लिए काम किया है।" जमील खान चौहान ने आगे कहा कि महाराव शिखाजी ने मुस्लिम समुदाय को उच्च स्तर पर स्थान दिया है। ओर कहा कि सांसद का सहयोग और मार्गदर्शन मुस्लिम समुदाय के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहा है। यही कारण है कि आज पूरा मुस्लिम समाज उनके नेतृत्व में अपना विश्वास व्यक्त करता है। इस दौरान मुस्लिम समाज के हाजी बूंदू खान ने भी संबोधित करते हुए कहा कि महाराव शेखाजी ने जिस सौहार्द, भाईचारे और बलिदान का संदेश दिया, उसे मुस्लिम समाज दिल से मानता है। आज भी यही भाईचारा हमें एकजुट करता है। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन के रहे व्यक्ति ने कहा कि मुस्लिम समाज ने हमेशा क्षेत्रीय विकास, भाईचारे और शांति के लिए सक्रिय भागीदारी निभाई है। इस अवसर पर भाजपा के कार्यकर्ता हाजी बूंदू पडियार, सरफराज खान चौहान, सरफराज खान, सद्दाम खान, जहिर खान सहित कई लोग मौजूद रहे।

पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला हुआ दर्ज

-पीड़ित ने पुलिस थाना चौमूं में मामला दर्ज करवाया

-पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। पुलिस थाना चौमूं में एक व्यक्ति ने पांच लोगों के खिलाफ शनिवार को धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि डॉ. बी एल मील अस्पताल के मालिक डॉ. बनवारी लाल मील ने आरोपी रवि प्रकाश झाखड़, तेजपाल यादव, गजानन्द यादव, भूपेन्द्र यादव, सुमित यादव के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है। पीड़ित ने मामले में बताया कि आरोपियों ने पीड़ित से कई वर्षों से पैसों की ठगी कर रहे थे आरोपियों ने पीड़ित से 8,50,000 रुपये का भुगतान लिया था। इसके बदले में पीड़ित को चेक दिया गया लेकिन 15 जुलाई को बैंक द्वारा भुगतान अस्वीकार कर दिया इसके बाद पीड़ित ने भुगतान के लिए संपर्क किया तो आरोपीगणों ने भुगतान से इनकार कर दिया आरोपीगणों ने जानबूझकर धोखाधड़ी करते हुए उसके विश्वास का दुरुपयोग किया पुलिस ने मामला दर्ज करके मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक बजरंग लाल को दे दी।

डिप्टी कमिश्नर रवि कुमार गोयल अपने चहेतों के चक्कर में राजस्थान सरकार के आदेश की कर रहे हैं अवहेलना

-आखिर क्या है ऐसी मजबूरी

सादिक हिन्दुस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के द्वारा दो बार आदेश पारित हो चुका है। अभी हाल ही में राजस्थान सरकार ने आदेश क्रमांक एसएमई-1/डीएलबी/25/10099 दिनांक 26. 8. 2025 को आदेश पारित हुआ है जिसमें साफ-साफ अक्षरों में लिखा हुआ है कि जो कर्मचारी अपने मूल कार्य (सफाई) ना करते हुए ऑफिस में बाबू का कार्य कर रहे हैं उन्हें तत्काल प्रभाव से उनके निजी कार्य (सफाई) के लिए शीघ्र भेजा जाए। यदि इस आदेश की अवहेलना की गई तो संबंधित अधिकारी पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। नगर निगम ग्रेटर सांगानेर जोन में एवं एसडीएम कार्यालय सांगानेर में सफाई कर्मचारी बाबू बनकर मजे कर रहे हैं। बाबू की कुर्सी को सुशोभित कर रहे हैं। ऐसी भी क्या मजबूरी है ,डिप्टी कमिश्नर रवि कुमार गोयल को नरेंद्र चौधरी क्यों जरूरी है। सांगानेर की मीडिया एवं जनता मांग रही है जवाब। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों में कोई ऐसा लीक प्वाइंट है। जिसकी वजह से नरेंद्र चौधरी डिप्टी साहब को छोड़ नहीं पा रहे हैं एवं डिप्टी साहब नरेंद्र चौधरी (सफाई कर्मचारी) को हटा नहीं पा रहे हैं। जरूर दाल में कुछ काला है। जिसकी वजह से डिप्टी साहब सरकार की धज्जियां उड़ाने में परहेज नहीं कर रहे। लेकिन सरकार की ऐसी क्या मजबूरी है।जो अपने ही कानून पर एक्शन लेने में देरी कर रही है। इससे यह

प्रतीत होता है कि सरकार अपने आदेश की पालना कराने में लाचार है। अब यह देखना है कि कानून का राज कितना मजबूर है। ऐसे आदेश आते हैं। चले जाते हैं। नियम बनते हैं बिगड़ते हैं। लेकिन अधिकारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। क्योंकि वह सरकारी रिश्तेदार जो ठहरे।

ग़ज़ल

वो जो झूठी गवाही देता है
फिर ना जीता ना वो मरता है
देख रस्ते में बिछ गया कांटा
देखना ये है किसको चुभता है
ज़िंदगी जब नज़र चुराए तो
दिल है तन्हा बहुत सिसकता है
वो जो धोखों में ढूंढता है सुख
ख़ुदबख़ुद एक दिन वो ढहता है
अपनी कीमत लगा के देख तो
कौन है जो तुझे परखता है
सायबानों में जीना क्या जीना
धूप में आ - के कौन जलता है
सुब्ह से शाम तक को भूल जा
चांदनी में बदन पिघलता है

-फ़ज़लुर्रहमान

धार्मिक आयोजनों से क्षेत्र में आती है खुशहाली - सांखला

चौमू (रॉयल पत्रिका)। ग्राम सिंगोद खुर्द के बस स्टैंड स्थित तेजाजी महाराज के मंदिर में हुए भंडारे एवं भजन संध्या कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने शनिवार रात्रि को पंगत प्रसादी ग्रहण की कार्यक्रम में गोविंदगढ़ थाना अधिकारी विनोद सांखला ने संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं को जनता को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस कार्यक्रम मेंसीकर सांसद कॉमरेड अमराराम चौधरी ने ग्रामीणों को कहा कि धार्मिक आयोजनों से क्षेत्र में खुशहाली आती है सीकर सांसद ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यालय के विकास के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की कार्यक्रम के दौरान तेजाजी महाराज की फूल बंगला से जाकर सजाई गई। शाम को पंगत प्रसादी शुरू करवाई भजन संध्या में बाबूलाल चौधरी एण्ड पार्टी हाड़ोता के गायक कलाकारों ने भजनों से तेजाजी महाराज की महिमा का गुणगान किया आसपास के गांवो के पहुंचे। श्रद्धालुओं ने धोक लगाकर सुख शांति की कामना की ग्रामीणों ने सांसद को ग्राम सिंगोद खुर्द निवासी डॉ. रामसिंह सामोता को पिछले दिनों जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय में हिंसा प्रकरण मामले में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामले की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सोपा। इस मौके पर गोविंदगढ़ पुलिस थाना प्रभारी विनोद सांखला, सिंगोद खुर्द के सरपंच सजना त्रिलोक, लोछिब पूर्व सरपंच सरदार जाखड़, राधा गोविंद बिहारी मंदिर ईटावा भोपजी के महंत पंडित भवानी शंकर शर्मा, प्रेमराज लोछिब, अनिल मीणा, कमल ढाका, गोवर्धन चोपड़ा, लक्ष्मण सिंह शेखावत, भगवान सहाय सैनी, बाबूलाल चोपड़ा, रोहिताश जाखड़, मामराज घोसलिया, महावीर चोपड़ा, शांतिलाल रेगर, सोहन निनवानिया, बाबूलाल बराला, मोहन डबास, चौथमल यादव, सुरेश चोपड़ा, सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

पृष्ठ एक का शेष....

शिक्षक राष्ट्र के भविष्य का निर्माण.....

पॉलिटेक्निक कॉलेजों को आधुनिकतम बनाया जा रहा है। स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। राजस्थान पहले शिक्षा के क्षेत्र में 11वें स्थान पर था, जो राज्य सरकार के प्रयासों से तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। हम सरकारी विद्यालयों में निजी विद्यालयों की तुलना में अधिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य भी कर रहे है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता ने कहा कि महासंघ शिक्षक हितों के साथ साथ शिक्षा, समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्पूर्ण भूमिका रहा है। यह देश को दिशा दिखाने का काम कर रहा है जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पृष्ठ एक का शेष....

स्वास्थ्य सचिवों के साथ की चर्चा.....

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव ने कहा कि बारिश का दौर थमने के बाद सामान्य रूप से हर बार खांसी-जुकाम-बुखार आदि के रोगियों की संख्या बढ़ जाती है। देशभर में इस तरह के मामले अभी ज्यादा सामने आ रहे हैं। इस स्थिति में आमजन में चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाओं के उपयोग के संबंध में व्यापक जागरूकता होना जरूरी है, ताकि किसी के जीवन को खतरा नहीं हो। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने खांसी की दवा की गुणवत्ता का प्रकरण सामने आने के बाद तत्परता के साथ बचाव के जरूरी कदम उठाए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि अन्य राज्यों में राजस्थान की तरह आमजन को जागरूक करने के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित किये जाएं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आशा, एएनएम एवं सीएचओ के माध्यम से डोर-टू-डोर सर्वे करते हुए आमजन को विभिन्न बीमारियों से बचाव एवं दवाओं के उपयोग को लेकर जागरूक करना, खांसी की दवाओं के उपयोग को नियंत्रित करना, दवा के नमूने लेकर जांच करवाना, टेक्निकल कमेटी का गठन कर मामले की जांच करना, विशेषज्ञ चिकित्सकों से भी इस प्रकरण में आवश्यक सलाह प्राप्त कर आवश्यक उपाय अपनाने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार की सचिव ने ऐसी दवाएं जिनसे बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को खतरा हो सकता है, उन पर विशेष रूप से चेतावनी अंकित करने के राजस्थान सरकार के निर्णय को सराहा और अन्य राज्यों में भी ऐसे कदम उठाने पर जोर दिया।

एडवाइजरी जारी की, दवाओं के उपयोग को लेकर की जा रही काउंसलिंग

बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि खांसी की दवा की गुणवत्ता का प्रकरण सामने आते ही विभाग द्वारा इस दवा के सभी बैचों के उपयोग एवं वितरण पर रोक लगा दी थी।

साथ ही, दवाओं के उपयोग को लेकर एडवाइजरी जारी कर व्यापक स्तर पर जागरूकता के लिए कदम भी उठाए जा रहे हैं। दवाएं लिखने एवं उपयोग को लेकर चिकित्सक, फार्मासिस्ट एवं आमजन की वृहद स्तर पर काउंसलिंग की जा रही है। खांसी की सीरप के उपयोग के स्थान पर अन्य वैकल्पिक उपायों से उपचार पर जोर दिया जा रहा है।

सीएचओ, एएनएन एवं आशा कर रहे डोर-टू-डोर सर्वे-

श्रीमती राठौड़ ने बताया कि मौसमी बीमारियों के दृष्टिगत प्रदेश में सीएचओ, एएनएम एवं आशा के माध्यम से डोर-टू-डोर सर्वे किया जा रहा है। इस सर्वे के दौरान खांसी, जुकाम एवं बुखार के लक्षण वाले रोगियों को चिन्हित करने के साथ ही आमजन को आईईसी गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है कि वे किसी भी तरह की बीमारी के मामले में घर पर रखी किसी दवा का उपयोग नहीं करें।

नजदीकी चिकित्सा संस्थान जाकर चिकित्सक से परामर्श लें एवं चिकित्सकीय सलाह के अनुसार ही दवाओं का सेवन करें। विशेषरूप से बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को बिना चिकित्सक के परामर्श के कोई दवा नहीं दें। घर में रखी दवाओं को बच्चों की पहुंच से दूर रखें।

तकनीकी समिति कर रही है विस्तृत अध्ययन-

श्रीमती राठौड़ ने बताया कि दवाओं के उपयोग, बच्चों में सामने आ रहे लक्षणों एवं विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जांच करने के लिए तकनीकी समिति भी गठित कर दी है। यह समिति बच्चों में सामने आ रहे लक्षणों, उन्हें दिए जा रहे उपचार सहित विभिन्न पक्षों पर जांच एवं अनुसंधान कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के नामी शिशु रोग विशेषज्ञों एवं अन्य विशेषज्ञों से भी इस प्रकरण को लेकर चर्चा की जा रही है। कई विशेषज्ञों ने अवगत भी कराया है कि इस मौसम में बच्चों में कई बार दिमागी बुखार, निमोनिया, सांस में तकलीफ जैसे मामले सामने आते हैं, जिनसे बच्चों की मौत हो जाती है।

वक़्फ़ संशोधन कानून पर प्रस्तावित 3 अक्टूबर का भारत बंद स्थगित

- "आई लव मुहम्मद" नारा गैर-कानूनी नहीं — आवाज़ दबेगी नहीं

-धार्मिक त्योहारों के चलते बंद स्थगित, नई तिथियाँ जल्द घोषित होंगी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वक़्फ़ संशोधन कानून 2025 के विरोध में 3 अक्टूबर को प्रस्तावित भारत बंद को आगामी धार्मिक त्योहारों के मद्देनज़र स्थगित कर दिया गया है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठनों ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक स्थगन है और कानून वापस लिए जाने तक उनका देशव्यापी आंदोलन जारी रहेगा। बंद की नई तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने वक़्फ़ संशोधन कानून को "मौलिक अधिकारों पर हमला" करार देते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। उनका कहना है कि "वक़्फ़ एक्ट 2025 वापस लो" के नारे के साथ यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार इस कानून को रद्द नहीं कर देती। इसी दौरान, बरेली

में हुई कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए मौलाना तोक़ीर रज़ा की तत्काल रिहाई की भी मांग उठाई गई है। नेताओं ने कहा कि "आई लव मुहम्मद" का नारा लगाना कोई गैर-कानूनी कार्य नहीं है और इस तरह की आवाज़ को दबाया नहीं जा सकता। आयोजकों ने साफ़ किया है कि धार्मिक त्योहारों की पवित्रता और जन-सुविधा को ध्यान में रखते हुए फिलहाल बंद को टाला जा रहा है, लेकिन उनका संघर्ष और मजबूत होकर सामने आएगा।

डोटासरा ने अपने जन्मदिन पर बीजेपी सरकार पर साधा निशाना

-बोला RSS शस्त्र पूजा करती है, विद्या के आंगन में शस्त्र का क्या काम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC) के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने 1 अक्टूबर को अपने जन्मदिन के अवसर पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला और कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। डोटासरा ने बीजेपी सरकार की नीतियों और कामकाज पर सवाल उठाते हुए उन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा की जाने वाली शस्त्र पूजा पर सवाल उठाते हुए कहा, "आरएसएस शस्त्र पूजा करती है, विद्या के आंगन में शस्त्र का क्या काम?" उनका यह बयान आरएसएस के कार्यक्रमों को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर सकता है। डोटासरा के जन्मदिन के मौके पर कांग्रेस कार्यालय में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और नेता मौजूद रहे, जिन्होंने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस दौरान

उन्होंने पार्टी की आगामी रणनीति और जनता के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने की बात कही। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस डोटासरा के जन्मदिन का हिस्सा थी, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है।

हज खिदमतगार साजिद कागजी के जनाजे में उमड़ा जन सैलाब

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी के नायब सदर जावेद कागजी ने कहा कि राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी का जिम्मेदार, मेहनती और समाजसेवी हमसे बिछड़ गया है, साजिद कागजी की कमी राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी और समाज महसूस करेगा। अल्लाह रब्बुल इज्जत साजिद कागजी की मगफीरत कर जन्नतुल फिरदौस में आला मुकाम अता करें। राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी के जनरल सेक्रेटरी हाजी शेख निजामुद्दीन ने जानकारी देते हुए बताया कि जयपुर सांगानेर के रहने वाले साजिद कागजी जोकि हज वेलफेयर सोसायटी के सदस्य और समाजसेवी के इन्तकाल की खबर मिलते ही सैकड़ों की तादाद में साजिद कागजी के जनाजे में शिरकत करने के लिये सांगानेर पहुंच जनाजे को कंधा दिया और मिट्टी देकर मय्यत की मगफीरत की दुआ की और घर वालों को सब्र की दुआ की, साजिद कागजी हर साल हाजियों की बेहतरीन खिदमत अंजाम दिया करते

थें और साथ ही समाज सेवा में अग्रणी रहा करते थे, साजिद कागजी के वालिद अब्दुल वहीद कागजी राजनीति के अल्पसंख्यक मोर्चा में सरगर्म रहते हैं, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी अपने पत्र के माध्यम से सांत्वना व्यक्तकी और परिवार जन से कहा कि यह क्षति अपूरणीय है किन्तु ईश्वरीय इच्छा और विधि विधान के आगे हम सब असहाय है।

ऑल इंडिया जमीयत-उल-कुरैश राजस्थान की अहम बैठक आयोजित

-दहेज प्रथा को बताया समाज की सबसे बुरी प्रथा

-नसीराबाद के हाजी हसन अनवर शरीफ को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया जमीयत-उल-कुरैश राजस्थान की एक अहम बैठक होटल इंडियाना में आयोजित हुई। इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिराजुद्दीन कुरैशी ने की। बैठक में प्रदेश के पदाधिकारी और विभिन्न जिलों के अध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक में कुरैश बिरादरी की बेहतरी और तरक्की पर गहन चर्चा हुई। सभी सदस्यों ने समाज की मजबूती और एकजुटता के लिए अपने विचार रखे।

इस मौके पर प्रदेश सदर नईमुद्दीन कुरैशी ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए मोहम्मद असलम कुरैशी रास को नायब सदर तथा हाजी हसन अनवर शरीफ (नसीराबाद) को प्रदेश सचिव नियुक्त किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सिराजुद्दीन कुरैशी ने अपने संबोधन में समाज को दहेज प्रथा से दूर रहने की नसीहत दी। उन्होंने कहा– "दहेज समाज की सबसे बुरी रीत है। शादियाँ सादगी से करें, बच्चों को अच्छी तालीम और तरबियत दें, ताकि वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें।"

उन्होंने आगे बताया कि जमीयत-उल-कुरैश के 100

साल पूरे होने पर पूरे देश में प्रत्येक प्रदेश स्तर पर भव्य सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों के माध्यम से समाज को जागरूक करने और संगठन को मजबूत करने का संदेश दिया जाएगा।

बैठक के समापन पर यह संकल्प लिया गया कि जमीयत-उल-कुरैश समाज के उत्थान के लिए शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुधार की दिशा में एकजुट होकर कार्य करेगा।

SDPI ने RSS के सम्मान में सिक्का और डाक टिकट जारी करने की निंदा की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (SDPI) ने केंद्र सरकार के उस कदम की कड़ी निंदा की है, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सम्मान में सिक्का और डाक टिकट जारी किया गया। यह कदम राष्ट्रीय शर्म की बात है और भारतीय लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के लिए गंभीर अपमान है। RSS, जो फासीवादी और नाजी विचारधाराओं से प्रेरित है, हमेशा लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने और घृणा एवं हिंसा को बढ़ावा देने का काम करता रहा है। इसका भारत की स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान नहीं रहा; बल्कि इसने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का मौन समर्थन किया। ऐसी संगठन को सम्मानित करना उन मूल्यों की अवमानना है – स्वतंत्रता, समानता और न्याय – जिसके लिए अनगिनत भारतीयों ने अपने प्राण न्योछावर किए। SDPI मांग करती है कि केंद्र सरकार तुरंत RSS के नाम पर जारी सिक्का और डाक टिकट को वापस ले और उन शक्तियों को महिमामंडित करना

बंद करे, जो भारत के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ताने-बाने को कमजोर करती हैं।

जयपुर में वांगचुक की गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन, सड़कों पर गूंजे नारे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इनोवेटर सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी का विरोध अब जयपुर की सड़कों पर भी देखने को मिल रहा है। आमेर स्थित गांधी चौक पर 4 अक्टूबर को नागरिक समिति और पर्यावरण मित्र के बैनर तले कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने इकट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सोनम वांगचुक को तत्काल रिहा करने की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान "वांगचुक को रिहा करो" और "तानाशाही नहीं चलेगी" जैसे नारों से पूरा चौक गूंज उठा। प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना था कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को रखने वाले व्यक्ति की इस तरह गिरफ्तारी लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ है। आयोजकों ने कहा कि सोनम वांगचुक की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है, जिसे देश बर्दाश्त नहीं करेगा। यह प्रदर्शन वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ देश भर में हो रही प्रतिक्रियाओं की एक कड़ी है।

आमेर रोड दशहरा कोठी पर रावण का दहन

-दशहरे पर निकली शोभायात्राएं, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। "सत्य की जीत और असत्य के अंत का प्रतीक पर्व... विजयदशमी... जयपुर में हर साल की तरह इस बार भी पूरे धूमधाम से मनाया गया। आमेर रोड स्थित दशहरा कोठी पर भव्य महोत्सव आकर्षण का केंद्र बन गया। जहां भारी संख्या में लोग जुटे और पूरा माहौल– जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। आमेर रोड दशहरा कोठी पर हुआ ऐतिहासिक रावण दहन... जहां हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने शिरकत कर सत्य सनातन धर्म पर संवाद किया। इसके बाद जैसे ही रावण का पुतला धधकते अग्नि में समाया... इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किए गए। कार्यक्रम स्थल पर एडीसीपी नॉर्थ डॉ. दुर्ग सिंह

और ब्रह्मपुरी थानाधिकारी राजेश गौतम मय जाब्ते मौके पर मौजूद रहे। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात को सुचारू बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई।" इस अवसर पर चारों ओर गूंज उठा – बुराई पर अच्छाई की विजय का उद्घोष।"

नाई की थड़ी के उलेमाओं की जवाहर एकेडमी में हुई अहम मीटिंग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नाई की थड़ी में स्थित तमाम मस्जिदों के इमामों की जवाहर एकेडमी के कैंपस में समाज सुधार को लेकर एक अहम मीटिंग हुई। जिसमें तमाम अईम्माओ ने यह अहद किया की मस्जिद के मेंबर से नशे में लिप्त समाज के नौजवानों के बारे में सख्ती से बयान किया जाएगा और समाज में फैली इस बीमारी को किसी भी तरह समाप्त किया जाएगा। तमाम अईम्माओ ने यह भी अहद किया कि वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए भी लोगों को जागरूक किया जाएगा और S I R में आने वाले तमाम कागजात को तैयार रखने के लिए जागरूक किया जाएगा। याद रहे अईम्माओ की पूरी टीम वोटर लिस्ट के मसले और समाज सुधार के काम पिछले एक साल से बड़ी जागरूकता के साथ कर

रही है और इस का फायदा भी मिल रहा है। अईम्माओ ने इस पर भी जोर दिया कि हम अपने हिन्द भाइयों के साथ एक अच्छा माहौल बनाकर चले ताकि कभी हमारे कोई मतभेद हो भी जाए तो आपस में बैठकर सुलझाले। सभी ने एक मत होकर कहां की हिन्दओं और मुसलमानों को फिरका परस्त ताकतों से सावधान रहना चाहिए। प्रोग्राम की शुरुआत क़ुराने पाक की तिलावत से हुई। प्रोग्राम में कई नातखाओं ने अपने कलाम पेश किए। प्रोग्राम का इख़्तताम दुआ के साथ हुआ।

153 मोबाइल बरामद, लाखों की ठगी रकम पीड़ितों को रिफंड

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस (पश्चिम) ने एक बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में कुल 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से ₹1.16 करोड़ की नकद राशि बरामद की गई है। डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस के अनुसार, 19 साइबर ठगों को पकड़ा गया है। उनके पास से ₹1.16 करोड़ की नकदी जब्त की गई है। पुलिस ने "साइबर शील्ड" नामक एक विशेष अभियान चलाया, जिसके तहत 153 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस अभियान से लाखों की ठगी गई रकम पीड़ितों को वापस दिलाई गई है। पुलिस ने 114 फर्जी सिम कार्ड को ब्लॉक करवाया है। इसके अलावा, लोगों को जागरूक करने के लिए 25 से अधिक जागरूकता कैंप लगाए गए हैं, जिनसे 10,000 से अधिक लोग साइबर खतरों के प्रति सतर्क

हुए हैं। 8 पुलिस टीमों की इस कार्रवाई से पूरे जिले में हड़कंप मच गया है, जिससे साइबर ठगों की कमर टूट गई है। जिन लोगों के मोबाइल फोन वापस मिले, उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। यह कार्रवाई जयपुर पुलिस की साइबर अपराधों के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण सफलता है।

ब्राइट फ्लॉवर्स सैकण्डरी स्कूल के छात्रों का मॉडल मैकिंग में तृतीय स्थान आया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ब्राइट फ्लॉवर्स सैकण्डरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने खण्डेलवाल कॉलेज, शास्त्री नगर, जयपुर में 17 सितंबर 2025 को हुये मैजिक बस इण्डिया फाउण्डेशन द्वारा Safe Vibrant and Healthy Public Spaces (SVHPS) कार्यक्रम के अन्तर्गत मॉडल मैकिंग एवं प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रोग्राम में विविध नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को शहरी विकास एवं नियोजन प्रणालियों में युवाओं की भूमिका को समझने एवं अपने अनुभवों को साझा करने का मौका मिला। उक्त प्रोग्राम में जयपुर के लगभग 30 से 35 राजकीय व निजी उच्च माध्यमिक विद्यालयों से कक्षा 10 एव 11 के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रोग्राम में ब्राइट फ्लॉवर्स सैकण्डरी स्कूल के कक्षा

10 के छात्र व छात्राओं द्वारा एक प्रोजेक्ट बनाया गया जिसके बारे में अलिशा बानो द्वारा समझाया गया।

प्रोग्राम में सभी 30 से 35 स्कूलों में से ब्राइट फ्लॉवर्स सैकण्डरी स्कूल का तृतीय स्थान आया जिसके लिये स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं अध्यापिका को सम्मानित किया गया।

ज्वैलरी शोरूम में लूट और हत्या का प्रयास, 7 घंटे में अपराधी दबोचे!

-माणक चौक पुलिस की बड़ी कामयाबी – HS समेत चार आदतन अपराधी गिरफ्तार, CCTV ने खोली पोल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के माणकचौक थाना क्षेत्र में हुई एक सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने महज 7 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। बड़ी चौपड़ स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास एक ज्वैलरी शोरूम में लूट और हत्या के प्रयास को अंजाम देने वाले एक हिस्ट्रीशीटर (HS) समेत चार आदतन अपराधियों को पुलिस ने सफलतापूर्वक दबोच लिया है। माणकचौक पुलिस ने इस मामले में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए बताया कि वारदात के बाद से ही पुलिस की टीमें सक्रिय हो गई थीं। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर अपराधियों की पहचान हो गई, जिसने इस पूरे केस की पोल खोलकर रख दी। पुलिस ने जब सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल में भर्ती कराया। बड़ी चौपड़ जैसे

अपराधियों का पीछा किया तो भागने के प्रयास में उनके पैरों में चोटें भी आईं। इसके बाद पुलिस ने मानवीयता दिखाते हुए घायल अपराधियों को इलाज के लिए व्यस्त इलाके में दिनदहाड़े हुई इस वारदात से लेकर गिरफ्तारी तक, पुलिस की इस तेज़ कार्रवाई की चारों ओर सराहना हो रही है।

जनता बाजार में अतिक्रमण को लेकर व्यापारियों की प्रेसवार्ता

-35 साल से बंद दुकान ध्वस्त, पार्षद पर मिलीभगत से कब्जे का आरोप

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर के व्यस्ततम जनता बाजार में अतिक्रमण और दुकानों पर अवैध कब्जे का मामला गरमा गया है। 29 सितम्बर को बाजार के व्यापारियों ने एक प्रेसवार्ता आयोजित कर बाहुबलियों द्वारा दुकानों पर जबरन कब्जा करने और नगर निगम के अधिकारियों की मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए हैं। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा सीज की गई दुकानों को मिलीभगत करके फिर से खोल दिया गया है और वहां अवैध निर्माण कार्य धड़ल्ले से जारी है। उन्होंने बताया कि इस मामले में हाईकोर्ट द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बावजूद निर्माण कार्य नहीं रोका जा रहा है, जो सीधे तौर पर अदालत की अवमानना है। प्रेसवार्ता में एक व्यापारी ने आरोप लगाया कि बाजार में 35 साल से बंद पड़ी एक दुकान को ध्वस्त कर दिया गया और एक स्थानीय पार्षद की मिलीभगत से उस पर कब्जा कर लिया गया। व्यापारियों का कहना है कि क्षेत्र में बाहुबलियों का आतंक है, जो नगर निगम के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की शह पर काम कर रहे हैं। पीड़ित व्यापारियों ने प्रशासन से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और अवैध कब्जों को हटाकर

दोषी अधिकारियों व बाहुबलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

जयपुर ऑटो यूनियनों की 6 अक्टूबर को हड़ताल

-परिवहन विभाग की नीतियों के विरुद्ध करेंगे हड़ताल

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर जिला ऑटो यूनियनों की संघर्ष समिति की मीटिंग मंगलवार 30 सितम्बर, 25 को सम्पन्न हुई। मीटिंग में जयपुर जिला ऑटो यूनियनों की प्रमुख समस्या पर विचार किया गया कि 19 जून, 2025 को ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड की बैठक में ऑटो चालकों की समस्याओं के क्रम में निर्णायक फैसले लिए गए थे, जिसमें ऑटो रिक्शा परमिट स्कोप को बढ़ाया जाने का प्रस्ताव पास कर 5000 परमिट करने की परिवहन विभाग द्वारा विज्ञप्ति जारी की गई थी, साथ ही ऑटो रिक्शा स्टैण्डों का सर्वे कर गजट नोटिफिकेशन जारी करने एवं ऑटो स्टैण्डों से अतिक्रमण हटवाने जैसे कई मुद्दों पर निर्णय लिए गए थे। लेकिन परिवहन विभाग की आयुक्त इसकी अवहेलना कर रही है। गत 1 माह से ऑटो यूनियनों के पदाधिकारी अपनी प्रमुख समस्याओं को लेकर परिवहन आयुक्त व उपायुक्त से सम्पर्क कर रहे हैं, लेकिन परिवहन विभाग के आला अधिकारियों के कानों पर जूं तक रैंगती रही। इस कारण यूनियनों को विवश होकर हड़ताल का निर्णय लेना पड़ा। मीटिंग में सर्वसम्मति से परिवहन विभाग की नीतियों के खिलाफ सोमवार 6 अक्टूबर, 2025 को प्रातः 6 बजे से सायं 5 बजे तक समस्त ऑटो चालक का चक्का जाम करने का ऐलान किया गया। मीटिंग में यूनियन जिला अध्यक्ष अमरसिंह चौहान, कुलदीप सिंह, कामरेड बाबू खां मनिहार, उमराव कुरैशी, फूलचंद गुर्जर, मुराद खां बलवान व अन्य साथी उपस्थित रहे।

मदन राठौड़ ने प्रतापगढ़ में स्व. नंदलाल मीणा को अर्पित की श्रद्धांजलि

जयपुर/चित्तौड़गढ़। भारतीय जनता पार्टी जिला चित्तौड़गढ़ की वृहद जिला कार्यसमिति बैठक ओछड़ी स्थित जिला कार्यालय पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के मुख्य आतिथ्य एवं जिलाध्यक्ष रतनलाल गाडरी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष पर जमकर प्रहार किया और भाजपा में हर कार्यकर्ता को काम तथा हर काम के लिए कार्यकर्ता के सिद्धांत को प्राथमिकता देना बताया। राठौड़ ने कहा कि 2014 से पूर्व देश घोटालों में डूबा था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है। उन्होंने जन कल्याणकारी योजनाओं और आर्थिक सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मोदी सरकार की जीएसटी, आर्थिक सुधार, महंगाई पर नियंत्रण, रेलवे का आधुनिकीकरण, वंदे भारत ट्रेन, चंद्रमा पर भारत का झंडा, हर घर सोलर योजना, रोजगार व सहकारिता क्षेत्र में सुधार जैसी उपलब्धियां भारत को विकसित राष्ट्र की ओर ले जा रही हैं।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।
-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

क्या आरएसएस की विचारधारा से चलेगा देश ?

भारत का सबसे मजबूत सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक संगठन आरएसएस ने 27 सितम्बर 2025 को 100 वर्ष पूरे कर लिए। आरएसएस की स्थापना 27 सितंबर 1925 को डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। आरएसएस बनाने का मुख्य उद्देश्य हिंदूत्व की स्थापना है। हिंदूत्व के अनुसार समाज में जाति व्यवस्था एवं वर्ग व्यवस्था की स्थापना है। आरएसएस एक ऐसा संगठन है जिसने धीरे-धीरे लेकिन सतत रूप से विकास किया है। हालांकि आरएसएस ने राजनीति, धार्मिक, आर्थिक एवं शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत पकड़ बनाई है। आरएसएस अपनी राजनीति शाखा भाजपा के द्वारा भारत पर शासन कर रहा है। आरएसएस का मुख्यालय स्थापना से लेकर अब तक नागपुर में ही रहा है। भाजपा में कोई भी नेता बिना आरएसएस की मर्जी के नहीं रह सकता है। आरएसएस देश में शताब्दी वर्ष मना रहा है और आरएसएस की स्थापना के उद्देश्य लोगों को बतायें जा रहे हैं। वर्तमान में आरएसएस हिंदू समाज को एकजुट करने के प्रयास कर रहा है। सभी जातियों के लिए एक शमशान, एक कुआं के प्रचलन लाकर जातिवाद समाप्त करने की ओर अग्रसर है। दूसरी तरफ आरएसएस सभी जातियों को साथ रखना चाहता है लेकिन सत्ता की चाबी कुछ वर्ग की जातियों के पास रखना चाहता है। यदि आरएसएस हिंदूत्व के एजेंडे पर चलता है तो निम्न जातियों के लिए बराबरी का सम्मान मिलना आसान नहीं होगा। आरएसएस की मजबूती के पीछे उसका देश भर में फैला शाखाओं का नेटवर्क है। देश में आरएसएस की लाखों शाखाएं लगती हैं। शाखाओं के जरिए पूरे देश पर नियंत्रण रखने और जानकारी प्राप्त करने में उसे आसानी होती है। आरएसएस यदि अपना एजेंडा पूरी तरह लागू किया तो वर्तमान संविधान बदलना भी उसके लिए जरूरी होगा। क्योंकि भारत का वर्तमान संविधान आरएसएस के एजेंडे को लागू करने में सबसे बड़ी रुकावट है। क्योंकि संविधान में विभिन्न जातियों को आरक्षण का प्रावधान है। आरक्षण के कारण हिंदू समाज कभी एक नहीं हो सकता है। आरएसएस की मंशा के खिलाफ आरक्षित जातियां भविष्य में उससे शासन छीन सकती है। आरएसएस को असली ताकत देश के मुसलमानो के विरोध के कारण मिलती है। लेकिन मुस्लिम समाज अब आरएसएस के मुकाबले में काफी कमजोर दिखाई देता है। फिर भी देश में सत्ता में बने रहने के लिए आरएसएस मुसलमानो एवं कुछ अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाए रखता है। लेकिन हिंदू समाज में भी 100 वर्ष बाद पहली बार आरएसएस का बड़ा विरोध दिखाई देने लगा है। आरक्षित जातियों में आरएसएस की पकड़ ढीली पड़ने लगी है। आरक्षित वर्ग के लोग खुलकर आरएसएस का सड़कों पर उतरकर विरोध करने लगे हैं। साफ दिखाई दे रहा है कि देश में दो विचारधाराए हैं। जिनमें एक आरएसएस की विचारधारा और दूसरी आरएसएस के विरोध की विचारधारा। यदि लोकतंत्र देश में मजबूत होता है, तो आरएसएस की विचारधारा कमजोर हो सकती है। यदि लोकतंत्र कमजोर या समाप्त होता है तो आरएसएस के विचारधारा का ही देश में बोलबाला रहेगा।

कवि और गीतकार थे मजरुह सुल्तानपुरी

(1 अक्टूबर 1919 - 24 मई 2000)

असरार उल हसन खान, जिन्हें मजरूह सुल्तानपुरी के नाम से जाना जाता है, एक भारतीय उर्दू कवि और हिंदी भाषा फिल्म उद्योग के गीतकार थे। उन्होंने कई हिंदी फ़िल्म साउंड ट्रैक के लिए गीत लिखे ।

वह 1950 और 1960 के दशक के शुरुआती वर्षों में भारतीय सिनेमा में प्रमुख संगीत शक्तियों में से एक थे और प्रगतिशील लेखक आंदोलन में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थे । उन्हें 20वीं सदी के साहित्य के सबसे बेहतरीन अवांट-गार्डे उर्दू कवियों में से एक माना जाता है ।

अपने छह दशक के करियर में, उन्होंने कई संगीत निर्देशकों के साथ काम किया । उन्होंने 1965 में फ़िल्म दोस्ती के गीत "चाहूँगा मैं तुझे" के लिए फ़िल्मफ़ेयर सर्वश्रेष्ठ गीतकार पुरस्कार जीता और 1993 में भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च पुरस्कार , आजीवन उपलब्धि के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार जीता। 1980 और 1990 के दशक में, उनका अधिकांश काम आनंद-मिलिंद के साथ था, उनके सबसे उल्लेखनीय सहयोग क़यामत से क़यामत तक, लाल दुपट्टा मलमल का, लव और दहेक थे ।

उन्होंने जतिन-ललित के लिए जो जीता वही सिकंदर और उनकी पहली फिल्म यारा दिलदारा जैसी फिल्में भी लिखीं ।

मजरूह सुल्तानपुरी का जन्म असरार उल हसन खान के रूप में उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एक मुस्लिम राजपूत परिवार में हुआ था, जहाँ उनके पिता पुलिस विभाग में तैनात थे 1919/1920 में। उनके पिता अपने बेटे को अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त करने के लिए बहुत उत्सुक नहीं थे और इसलिए मजरूह को पारंपरिक 'मदरसा शिक्षा ' के लिए भेजा गया, जिसके कारण उन्होंने पहले दर्स-ए-निज़ामी की योग्यता प्राप्त की - एक सात वर्षीय पाठ्यक्रम जो अरबी और फ़ारसी में दक्षता के साथ धार्मिक मामलों पर केंद्रित था - और फिर 'आलिम ' का प्रमाण पत्र । इसके बाद उन्होंने लखनऊ के तकमील-उत-तिब कॉलेज ऑफ यूनानी मेडिसिन में दाखिला लिया ।

वह एक संघर्षशील हकीम थे जब उन्होंने सुल्तानपुर के एक मुशायरे में अपनी एक ग़ज़ल सुनाई । ग़ज़ल श्रोताओं को बहुत पसंद आई और मजरूह ने अपनी शुरुआती डॉक्टरी प्रैक्टिस छोड़कर गंभीरता से शायरी शुरू करने का फैसला किया। जल्द ही वह मुशायरों में 'नियमित' हो गए और उर्दू मुशायरों के उस समय के शीर्ष नाम जिगर मुरादाबादी के " शागिर्द " बन गए । मजरूह एक फ़िल्म गीतकार के रूप में लोकप्रिय हैं और इस क्षमता में व्यापक रूप से जाने जाते हैं, यह ज्ञात हो कि उन्होंने उर्दू शायरी की सबसे प्रसिद्ध कविताओं में से एक यह भी रची है-

"मैं अकेला ही चला था जानिबे मंजिल मगर, लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया!" (मैं तो अकेला ही निकला था जानिब-ए-मंजिल लेकिन लोग जुड़ते गए और हम कारवां बन गए!)

फिल्में

1945 में, मजरूह ने सबू सिद्दीकी

संस्थान में एक मुशायरा में भाग लेने के लिए बॉम्बे का दौरा किया। यहाँ उनकी ग़ज़लों और कविताओं को श्रोताओं ने बहुत सराहा। प्रभावित श्रोताओं में से एक फिल्म निर्माता ए. आर. कारदार थे ।

उन्होंने जिगर मुरादाबादी से संपर्क किया जिन्होंने उन्हें मजरूह से संपर्क करने में मदद की। हालाँकि, मजरूह ने फिल्मों के लिए लिखने से इनकार कर दिया क्योंकि वह उनके बारे में बहुत अच्छा नहीं सोचते थे। लेकिन जिगर मुरादाबादी ने उन्हें यह कहते हुए मना लिया कि फिल्में अच्छी कमाई करेंगी और मजरूह को अपने परिवार का समर्थन करने में मदद करेंगी। इसके बाद कारदार उन्हें संगीतकार नौशाद के पास ले गए, जिन्होंने युवा लेखक को परखा।

उन्होंने मजरूह को एक धुन दी और उन्हें उसी मीटर में कुछ लिखने के लिए कहा, और मजरूह ने जब उसने गेसू बिखराए, बादल आए झूम के ... लिखा। नौशाद को उनका लिखा पसंद आया और मजरूह को फिल्म शाहजहाँ (1946) के गीतकार के रूप में साइन किया गया । इसके बाद मजरूह ने नाटक (1947), डोली (1947) और अंजुमन (1948) जैसी फिल्मों के लिए गीत लिखे लेकिन उन्हें बड़ी सफलता महबूब खान की अंदाज़ (1949) से मिली। 1949 में उनकी राजनीतिक रूप से आवेशित कविताओं के कारण उन्हें दो साल की कैद की सजा सुनाई गई थी।

अपने फ़िल्मी करियर को नए सिरे से शुरू करने के लिए, मजरूह ने अंततः गुरु दत्त की फ़िल्म बाज़ (1953) के साथ फिर से सफलता हासिल की।

मजरूह सुल्तानपुरी ने अनिल विश्वास , नौशाद , गुलाम मोहम्मद , मदन मोहन , ओ. पी. नैय्यर, रोशन, सलिल चौधरी, चित्रगुप्त, एन. दत्ता, कल्याणजी-आनंदजी, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल और आर. डी. बर्मन जैसे कई संगीत निर्देशकों के साथ काम किया ।

गीतकार के रूप में उनकी आखिरी फिल्म वन 2 का 4 थी, जो 2001 में उनकी मृत्यु के बाद रिलीज हुई थी।

राजनीतिक झुकाव

फिल्म शाहजहाँ (1946) के बाद एस. फाज़िल की मेहंदी, डोली (1947), महबूब की अंदाज़ (1949) और शहीद लतीफ़ की आरज़ू आईं । जिस समय मजरूह खुद को एक प्रतिष्ठित गीतकार और गीतकार के रूप में स्थापित कर रहे थे, उनके वामपंथी झुकाव ने उन्हें परेशानी में डाल दिया। सरकार उनकी सत्ता-विरोधी कविताओं से खुश नहीं थी और उन्हें 1949 में बलराज साहनी जैसे अन्य वामपंथियों के साथ जेल में डाल दिया गया था । मजरूह की गिरफ्तारी 1948 में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की दूसरी कांग्रेस के बाद कम्युनिस्टों की देशव्यापी गिरफ्तारी के दौरान हुई थी, जिसमें कम्युनिस्टों ने भारत सरकार के खिलाफ क्रांति करने का फैसला किया था।

मजरूह से माफी मांगने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया और उन्हें दो साल जेल की सजा सुनाई गई। उन्हें 1951 में एक कविता लिखने और सुनाने के लिए गिरफ्तार किया गया था जिसमें जवाहरलाल नेहरू की तुलना हिटलर से की गई थी।

भारत के 2013 के डाक टिकट पर सुल्तानपुरी

मजरूह ने 1950 के दशक में लोकप्रिय फ़िल्मों के लिए गीत लिखे। फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ और ख़ुमार बाराबंकवी के साथ, मजरूह को सबसे उल्लेखनीय ग़ज़ल लेखक माना जाता था। मजरूह ने 1965 में दोस्ती फिल्म के गीत "चाहूंगा मैं तुझे सांझ सवेरे" के लिए अपना एकमात्र फिल्म फेयर सर्वश्रेष्ठ गीतकार पुरस्कार जीता। उन्हें 1993 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया और वे प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने वाले पहले गीतकार बने।

मजरूह सुल्तानपुरी कुछ समय से फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे और उन्हें निमोनिया का गंभीर दौरा पड़ा और 24 मई 2000 को मुंबई में उनका निधन हो गया । उनकी मृत्यु के समय उनकी आयु 80 वर्ष थी।

पुण्यतिथि पर विशेष आलेख....

आजाद हिंद फौज के कप्तान फ्रीडम फाइटर अब्बास अली

अब्बास अली, आज़ाद हिंद फौज के कप्तान, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अत्यंत साहसी, निस्वार्थ और प्रेरणादायक नेता थे। उनका जीवन स्वाधीनता प्राप्ति के प्रयास और बाद में समाजवादी विचारधारा पर आधारित सामाजिक आंदोलनों के लिए प्रसिद्ध है। अब्बास अली का व्यक्तित्व भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष, बलिदान और देशभक्ति की मिसाल प्रस्तुत करता है। अब्बास अली का जन्म 3 जनवरी 1920 को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जनपद के खुर्जा के कलंदर गढ़ी गांव में मुस्लिम राजपूत परिवार में हुआ था। उनके खानदान में भी स्वतंत्रता संग्राम का समृद्ध इतिहास था। उनके दादा रुस्तम अली खान ने 1857 की क्रांति में भाग लिया था और फांसी दी गई थी। उनके पिता अय्यूब अली खान ब्रिटिश सेना में अधिकारी थे और प्रथम विश्व युद्ध में हिस्सा ले चुके थे। उनकी प्रारंभिक शिक्षा खुर्जा और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में पूरी हुई। अब्बास अली ने 1939 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से इंटरमीडिएट करने के बाद रॉयल इंडियन आर्मी सप्लाई कॉर्प्स (R.I.A.S.C) में कमीशन प्राप्त किया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वे ब्रिटिश सेना में तैनात थे लेकिन नेता जी सुभाष चंद्र बोस के आह्वान और समाजवादी गुरु प्रो. के.एम. अशरफ़ की प्रेरणा से उन्होंने ब्रिटिश सेना के खिलाफ विद्रोह किया। जापानियों के हाथों ब्रिटिश सेना की हार के बाद उन्हें युद्ध बंदी बना लिया गया, जिसके बाद उन्होंने जनरल मोहन सिंह द्वारा स्थापित आज़ाद हिंद फौज (आईएनए) में शामिल होकर सशस्त्र विद्रोह का रास्ता चुना। अब्बास अली आज़ाद हिंद फौज में कप्तान बने और रंगून, सिंगापुर, अराकान जैसी जगहों पर मित्र राष्ट्रों की सेनाओं से लड़ाई लड़ी। 'दिल्ली चलो' अभियान में उनकी भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण रही। जब जापान की हार के बाद आईएनए के जवानों को बंदी बना लिया गया तो अब्बास अली सहित उनके सहयोगियों पर मुल्तान के किले में मुकदमा चला, और उन पर बगावत के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई। भारत की आज़ादी की घोषणा के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया, लेकिन उन्हें भारत की नवगठित सेना में शामिल नहीं किया गया और ना ही कोई सरकारी सम्मान या पेंशन मिली।

स्वतंत्रता के बाद जीवन और समाजवादी आंदोलन-

स्वतंत्रता के बाद अब्बास अली ने समाजवादी राजनीति को अपना लिया। वे राम मनोहर लोहिया के करीबी सहयोगी थे और संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी (एसएसपी) के उत्तर प्रदेश राज्य सचिव का पद संभाला। चौधरी चरण सिंह और मुलायम सिंह यादव जैसे नेताओं के राजनीतिक सफर में उनका योगदान प्रमुख रहा। उन्होंने अपने जीवनकाल में किसी प्रकार का सरकारी सम्मान या भत्ता स्वीकार नहीं किया, क्योंकि वे राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रतीक थे।

प्रेरणा और विरासत-

अब्बास अली की आत्मकथा 'न रहूँ किसी का दस्तनिगर' में उनके संघर्ष और समाजवादी सोच की स्पष्ट झलक मिलती है। उनका जीवन आज़ादी, साहस, न्याय और समाज सेवा के लिए प्रेरणा है। वे 11 अक्टूबर 2014 को इस दुनिया से रुखसत हुए, लेकिन उनकी कहानी भावी पीढ़ियों को साहस और देशभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी। अब्बास अली का योगदान न सिर्फ आज़ादी के संघर्ष में, बल्कि आज़ादी के बाद समाजवादी आंदोलनों में भी अमिट है। वे सच्चे राष्ट्रवादी, एक निर्भीक योद्धा, और समाज के लिए निस्वार्थ सेवक माने जाते हैं।

जदीद चीज़ों का इस्तेमाल जाइज़ है

जो आख़िरी पैग़म्बर के अहद-ए-मुबारक में नहीं थीं, न उनका रिवाज था, लेकिन ज़माने के हालात की तब्दीली की वजह से वो चीजें वजूद में आईं, और लोगों ने उनसे फाइदा उठाना शुरू कर दिया। मसलन आख़िरी पैग़म्बर के ज़माने में चक्की नहीं थी, आज हमारा चक्की के बगैर गुज़ारा नहीं होता। उस ज़माने में पंखे नहीं थे, आज हमारा पंखे के बगैर गुज़ारा नहीं। उस ज़माने में घोड़े और ऊंटों पर सफ़र होता था, आज मोटरों की, बसों की, रेलों और हवाई जहाज़ों की भरमार है, उनके बगैर गुज़ारा नहीं। लेकिन ये सब चीजें ऐसी हैं कि कोई उनको दीन का हिस्सा नहीं समझता, मसलन कोई शख़्स ये नहीं कहता कि पंखा चलाना सुन्नत है, कोई शख़्स ये नहीं कहता कि चक्की चलाना वाजिब है, और शरई ऐतबार से ज़रूरी है। कोई शख़्स ये नहीं कहता कि रेल में सफ़र करना सुन्नत या मुस्तहब है, या वाजिब है, लिहाज़ा कोई शख़्स उन चीजों को दीन का हिस्सा नहीं समझता, बल्कि ज़रूरतों को पूरा करने के लिए नए नए तरीक़े वजूद में आते रहते हैं, इस लिए शरीअत ने भी उन पर कोई पाबंदी नहीं लगाई, इन सब चीजों का इस्तेमाल करना शरअन जाइज़ है।

हुक़ूक़ुल्लाह और हुक़ूक़ुल इबाद

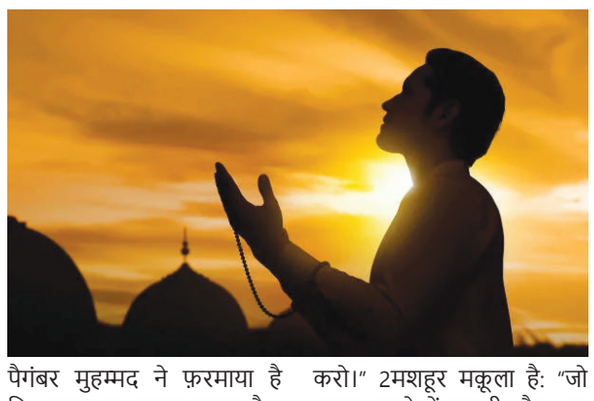

पैगंबर मुहम्मद ने फ़रमाया है कि "जहल का इलाज सवाल है।" अहद-ए-रिसालत में एक शख़्स को जो बीमार था, ग़ुस्ल की हाजत हुई। लोगों ने उसे ग़ुस्ल करा दिया, वो बेचारा सर्दी से ठिठुर कर मर गया। जब ये ख़बर पैगंबर मुहम्मद को पहुँची तो आप बहुत नाराज़ हुए और फ़रमाया: "उसे मार डाला, ख़ुदा उसे मारे, क्या जहल का इलाज सवाल न था।"

हज़रत उम्मे सुलैम ने पैगंबर मुहम्मद से अर्ज़ किया: "ख़ुदा हक़ बात से नहीं शर्माता, क्या औरत पर भी ग़ुस्ल है (एहतिलाम की हालत में)?" हज़रत आयशा फ़रमाया करती थीं: "ख़ुदा की रहमत हो अंसारी औरतों पर, शर्म उन्हें अपना दीन सीखने से बाज़ न रखेगी।" हज़रत अस्मी से पूछा गया: आपने ये तमाम उलूम कैसे हासिल किये? तो फ़रमाया: "मुसलसल सवाल से और एक-एक लफ़्ज़ गिरह में बाँध कर।" हज़रत उमर बिन अब्दुल अज़ीज़ फ़रमाया करते थे: "बहुत कुछ इल्म मुझे हासिल है लेकिन जिन बातों के सवाल से मैं शर्माया था, उनसे इस बुढ़ापे में भी जाहिल हूँ।" इब्राहीम बिन मेहदी का क़ौल है: "बेवकूफ़ों की तरह सवाल करो और अक़्लमंदों की तरह याद करो।" 2मशहूर मक़ूला है: "जो सवाल करने में सुबकी और आर महसूस करता है, उसका इल्म भी हल्का होता है।" (अल-इल्म वल-उलमा, अल्लामा इब्नल बर्र अंदलुसी)

इस तम्हीद के बाद मुझे चंद सवालात करने हैं:

स: "इज़ा जा-अ हक़्क़ल्लाह ज़-ह-ब हक़्क़ल अब्द" और दूसरा क़ौल बिल्कुल इसके बरअक्स है: "हक़्क़ल अब्द मुक़द्दम अला हक़्क़िल्लाह"। कौन सा क़ौल मुस्तनद है? और क्या ये अक़्वाल हदीस हैं?

ज: ये अहादीस नहीं, बुज़ुर्गों के अक़्वाल हैं और दोनों अपनी जगह सही हैं। पहले क़ौल का मतलब ये है कि जब हक़्क़ल्लाह की अदायगी का वक़्त आ जाए तो बन्दों के हुक़ूक़ ख़त्म। और ये ऐसा ही है जैसा हज़रत आयशा फ़रमाती हैं कि पैगंबर मुहम्मद हमारे साथ मशग़ूल होते थे और जब नमाज़ का वक़्त आ जाता तो 'क़ा-म-क-अन्नहु लम य'अरिफ़ना' (इस तरह उठकर चले जाते गोया हमें जानते ही नहीं)।

दूसरे क़ौल का मतलब ये है कि हुक़ूक़ुल इबाद और हुक़ूक़ुल्लाह जमा हो जाएं तो हुक़ूक़ुल इबाद का अदा करना मुक़द्दम है।

चुनौतियों के बावजूद उपलब्धियां हासिल कर रहा मुस्लिम वर्ग

मुख्यधारा के विमर्श में अक्सर भारतीय मुसलमानों को हाशिए पर और पीड़ित के रूप में चित्रित किया जाता है। फिर भी हाल के वर्षों में सफलता की कहानियों में उछाल आया है जो इस एक-आयामी छवि को चुनौती देती हैं। ये भारतीय मुसलमानों द्वारा विज्ञान, कला, व्यवसाय और खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने की कहानियाँ हैं, जो राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित करती हैं। ये उदाहरण एक ऐसी वास्तविकता को रेखांकित करते हैं जो पीड़ित होने से परे है: एक ऐसा समुदाय जो उच्चतम स्तर पर योगदान दे रहा है और बदलती संरचनात्मक परिस्थितियों से सशक्त है जो उनकी प्रतिभाओं को फलने-फूलने में सक्षम बनाती हैं। आज़ादी के बाद के शुरुआती दशकों में, भारत में मुसलमानों ने अनुसंधान और शिक्षा जगत में सेवा करने के अवसरों को अपनाया, जिससे देश की वैज्ञानिक क्षमता का निर्माण हुआ। यह परंपरा जारी है: उदाहरण के लिए, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता, वायरोलॉजिस्ट डॉ. शाहिद जमील ने महामारी के दौरान भारत के SARS-CoV-2 जीनोम अनुक्रमण संघ (INSACOG) का नेतृत्व किया, जिसने नवीन विज्ञान में मुस्लिम प्रतिनिधित्व का उदाहरण प्रस्तुत किया। शैक्षणिक नेतृत्व में मुस्लिम महिलाओं का उदय भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रोफेसर नजमा अख्तर ने जामिया मिलिया इस्लामिया की पहली महिला कुलपति के रूप में नई कीर्तिमान स्थापित किया, एक ऐसा कार्यकाल जिसके लिए उन्हें 2022 में पद्मश्री और यहां तक कि 2023 में उनकी सेवा के लिए मानद कर्नल कमांडेंट की उपाधि भी मिली। लगभग उसी समय, प्रोफेसर नईमा खातून अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के 123 साल के इतिहास में कुलपति नियुक्त होने वाली पहली महिला बनीं, जो समावेशिता की ओर संस्थागत बदलावों का एक शक्तिशाली प्रतीक है। व्यापार और उद्यमिता में भी, भारतीय मुसलमान अपनी पहचान बना रहे हैं। उदाहरण के लिए, विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी न केवल एक प्रतिष्ठित व्यावसायिक नेता हैं, बल्कि देश के अग्रणी परोपकारी लोगों में से एक भी हैं; 2023 में, वे भारत के दूसरे सबसे दान दाता थे, जिन्होंने शिक्षा जैसे कार्यों के लिए ₹1,774 करोड़ (पिछले वर्ष से 267% की वृद्धि) दिए। हबील खोराकीवाला ने फार्मास्युटिकल दिग्गज वॉकहार्ट की स्थापना की, जो एशिया में पुनः संयोजक मानव इंसुलिन का उत्पादन करने वाली पहली कंपनी बन गई, और इरफान रजाक का प्रेस्टीज समूह भारत का दूसरा सबसे बड़ा सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर बन गया है। उल्लेखनीय रूप से, मुस्लिम महिलाओं ने भी सफल उद्यमों का नेतृत्व किया है। सौंदर्य प्रसाधन की दिग्गज शहनाज़ हुसैन ने भारत के हर्बल सौंदर्य उद्योग का बीड़ा उठाया और इसे 400 से अधिक वैश्विक फ्रेंचाइजी तक विस्तारित किया। बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान की 2023 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान, जिसमें उन्होंने एक देशभक्त भारतीय जासूस की भूमिका निभाई है, ने बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए और साथ ही फिल्म के मुख्य अभिनेता की मुस्लिम पहचान को लेकर छिड़े बहिष्कार अभियान को भी नाकाम कर दिया। "बहिष्कार के आह्वान के बावजूद ज़बरदस्त सफलता" के लिए प्रशंसित, पठान ने दुनिया भर में तेज़ी से 10 करोड़ डॉलर से ज़्यादा की कमाई की, जिसे व्यापक रूप से नफ़रत की राजनीति के ख़िलाफ़ एक सार्वजनिक प्रतिरोध और देश के समावेशी लोकाचार की पुष्टि माना गया। इस बीच, भारतीय राज्य ने कला के क्षेत्र में मुस्लिम उपलब्धि हासिल करने वालों का सम्मान करना जारी रखा है। प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद ज़ाकिर हुसैन को संगीत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 2023 में पद्म विभूषण (देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान) से सम्मानित किया गया। फिल्म उद्योग से लेकर शास्त्रीय कलाओं तक, भारतीय मुसलमान सांस्कृतिक जीवन में अग्रणी रहे हैं, अपने मंचों का उपयोग विभाजन को पाटने और बहुलवाद का उदाहरण पेश करने के लिए करते रहे हैं। चाहे सिनेमा में हो या पद्म पुरस्कारों में, उनकी सफलता और पहचान इस बात को रेखांकित करती है कि वे भारत की कहानी के लिए बाहरी नहीं हैं, बल्कि इसकी कलात्मक और सांस्कृतिक उपलब्धियों के केंद्र में हैं।

अधिक समृद्ध और सटीक चित्रण करता है। ये क्रमिक संरचनात्मक परिवर्तनों को भी दर्शाते हैं: बेहतर शैक्षिक उपलब्धि, विविधता के लिए संस्थागत समर्थन और योग्यता के आधार पर सार्वजनिक सम्मान ने अधिक मुसलमानों को अपने चुने हुए क्षेत्रों में खुलकर आगे बढ़ने में सक्षम बनाया है। वास्तव में, सामाजिक-आर्थिक असमानताओं से लेकर पूर्वाग्रह तक, चुनौतियाँ बनी हुई हैं, फिर भी पिछले दो वर्षों की सफलताओं ने धीरे-धीरे रूढ़िवादिता को नष्ट कर दिया है। आज, भारतीय मुसलमानों में मिसाइल वैज्ञानिक, कुलपति, साहित्यकार, व्यवसायी, फिल्मी हस्तियाँ और क्रिकेट सितारे शामिल हैं जो सक्रिय रूप से अपने समुदाय और भारत की कहानी को आकार देते हैं। राष्ट्रीय मंच पर इन योगदानों को प्रदर्शित करने वाला मीडिया और संस्थान धीरे-धीरे पीड़ित आख्यान को चुनौती दे रहे हैं और भारतीय मुसलमानों को भारत की प्रगति में समान हितधारक के रूप में स्वीकार कर रहे हैं, जिनकी पहचान हाशिए पर होने से नहीं, बल्कि समाज में उनकी असंख्य सफलताओं और योगदानों से परिभाषित होती है।

कोई ख़ुशी कामिल नहीं

लोग अक्सर यह समझते हैं कि माल-ओ-दौलत जमा कर लेने से कामिल, यानी मुकम्मल ख़ुशी और सुकून मिल जाएगा। लेकिन दुनिया की हक़ीक़त यह है कि यहाँ की कोई भी ख़ुशी अपने आप में पूरी नहीं होती। हर ख़ुशी के साथ किसी न किसी ग़म या तकलीफ़ का पहलू जुड़ा होता है। इस दुनिया की ख़ुशी की मिसाल ऐसी है जैसे किसी को बहुत तेज़ भूख लगी हो और उसे लज़ीज़ खाना मिल जाए। खाने की लज़्ज़त और ख़ुशी इसलिए महसूस होती है क्योंकि उससे पहले भूख की बेचैनी और तकलीफ़ थी। गोया ख़ुशी, किसी पिछली कमी या तकलीफ़ का नतीजा होती है। इसीलिए दुनिया की कोई भी लज़्ज़त या ख़ुशी अपने आप में मुकम्मल और हमेशा रहने वाली नहीं है। इसकी सबसे अच्छी मिसाल अमीर और ग़रीब की ज़िंदगी में मिलती है। एक तरफ़ बड़े-बड़े सरमायादार हैं, जिनके पास आलीशान बंगले, महंगी गाड़ियां, नरम बिस्तर और एयर कंडीशनर कमरे हैं, लेकिन रात को सुकून की नींद के लिए गोलियां खानी पड़ती हैं। दूसरी तरफ़ एक मज़दूर है जो दिन भर की मशक़्क़त के बाद ज़मीन पर ही सर के नीचे हाथ रखकर सोता है और आठ घंटे की भरपूर नींद लेता है। अब सोचने की बात यह है कि रात किसकी ज़्यादा सुकून से गुज़री?

अल्लाह ने दुनिया का निज़ाम ही ऐसा बनाया है कि यहाँ हर ख़ुशी के साथ ग़म और हर ग़म के साथ ख़ुशी जुड़ी है। इससे यह सबक़ मिलता है कि सच्ची और कामिल ख़ुशी का ताल्लुक़ दौलत और बाहरी चीज़ों से नहीं, बल्कि दिल के सुकून और इत्मीनान से है।

रेलवे में 2570 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से जूनियर इंजीनियर, डिपो मटेरियल सुपरिटेंडेंट, केमिकल एंड मेटलर्जिकल असिस्टेंट के पदों पर भर्ती का शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इन पदों पर आवेदन प्रक्रिया 31 अक्टूबर, 2025 से शुरू हो जाएगी। उम्मीदवार रेलवे की ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
31 अक्टूबर से 30 नवम्बर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित विषय में बी.ई/बीटेक
या कंप्यूटर साइंस, आईटी में डिप्लोमा/डिग्री
या केमिस्ट्री और फिजिक्स के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री

आयु सीमा :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
आयुसीमा की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी। आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को छूट मिलेगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी-I
सीबीटी-II
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जामिनेशन

सैलरी :
35400 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.rrbapply.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

एमपी में 500 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (MPESB) ने 500 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस बार पुलिस मुख्यालय, गृह विभाग के अंतर्गत सूबेदार (अनुसचिवीय), स्टेनोग्राफर और असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) के 500 पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

आवेदन में करेक्शन के लिए 22 अक्टूबर तक मौका दिया जाएगा। भर्ती परीक्षा का आयोजन 10 दिसंबर 2025 से किया जाएगा।

आवेदन शुरू :
03 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
1. सूबेदार (अनुसचिवीय) स्टेनोग्राफर
12वीं पास।
मान्यता प्राप्त परिषद/बोर्ड/ पॉलिटेक्निक/आईटीआई से 100 शब्द प्रति मिनट की स्टेनोग्राफी परीक्षा पास।
CPCT एग्जाम पास जिसमें हिन्दी टाइपिंग शामिल हो।
DOEACC से डिप्लोमा स्तर की परीक्षा पास या
आईटीआई से "COPA" (कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट) का एक वर्षीय कोर्स
या मान्यता प्राप्त संस्थान से आधुनिक कार्यालय प्रबंधन पाठ्यक्रम या
UGC मान्यता प्राप्त संस्थान से कम्प्यूटर डिप्लोमा।
2. एएसआई (सहायक उप निरीक्षक – अनुसचिवीय)
मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास।
CPCT सर्टिफिकेट के साथ हिन्दी टाइपिंग पास होना चाहिए।
MCA / BCA / कम्प्यूटर साइंस / आईटी की डिग्री
या AICTE से मान्यता प्राप्त पॉलिटेक्निक डिप्लोमा
या DOEACC डिप्लोमा
या आईटीआई से "COPA" एक वर्षीय कोर्स
या आधुनिक कार्यालय प्रबंधन पाठ्यक्रम
या UGC मान्यता प्राप्त संस्थान से कम्प्यूटर डिप्लोमा।

फीस :
सामान्य/अनारक्षित : 500 रुपए
एससी / एसटी / ओबीसी / ईडब्ल्यूएस : 250 रुपए

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सैलरी :
सूबेदार : 36,200 - 114800 रुपए प्रतिमाह
एएसआई : 19,500-6200 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
प्रैक्टिकल एग्जाम
एग्जाम पैटर्न :
रिटन एग्जाम :
इसमें सामान्य ज्ञान, बौद्धिक क्षमता और गणित-विज्ञान से प्रश्न पूछे जाएंगे।
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

प्रैक्टिकल एग्जाम :
शॉर्टहैंड परीक्षा
दोनों परीक्षा के लिए 100-100 अंक तय किए गए हैं।

ऐसे करें आवेदन :
MPESB की ऑफिशियल वेबसाइट esb.mp.gov.in पर जाएं।

DDA ने 1732 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 40 साल

दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) ने विभिन्न ग्रुप ए, बी और सी पदों पर भर्ती के लिए शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के तहत जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, स्टेनोग्राफर, असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर सहित 1732 पदों पर भर्ती होगी।

आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार डीडीए की ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। फीस जमा करने की आखिरी तारीख भी 5 नवंबर तय की गई है।

आवेदन शुरू :
06 ऑक्टूबर से 05 नवंबर 2025 तक

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भूतपूर्व सैनिक, महिला, दिव्यांग : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन लिखित परीक्षा
स्किल टेस्ट
टाइपिंग टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

सैलरी :
7वें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार
अन्य अलाउंस का लाभ भी दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाएं।
वेबसाइट पर उपलब्ध "ऑनलाइन आवेदन" लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।
जरूरी डिटेल्स भरें और डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

SSC CAPF SI भर्ती 2025 के लिए आवेदन शुरू, 3073 वैकेंसी

कर्मचारी चयन आयोग ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और दिल्ली पुलिस में SI के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के माध्यम से SI के 3073 पदों को भरा जाएगा। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

फीस का भुगतान 17 अक्टूबर तक किया जा सकेगा। परीक्षा का आयोजन नवंबर-दिसंबर 2025 में किया जाएगा। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर टोल फ्री नंबर - 1800-309-3063 पर संपर्क कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
26 सितंबर से 16 अक्टूबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री

शारीरिक योग्यता :
हाइट :
पुरुष : 170 सेमी
महिला : 157 सेमी
पुरुष उम्मीदवारों की छाती : 80-85 सेमी फुलाव के साथ

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 25 साल
एससी/एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
एक्स सर्विसमैन : 3 साल की छूट

सैलरी :
35,400 - 1,12,400 रुपए प्रतिमाह

फीस :
एससी, एसटी, एक्स सर्विसमैन : निःशुल्क
अन्य : 100 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
टियर - 1
टियर - 2
मेडिकल एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाएं।
अगर आपने इससे पहले एसएससी का कोई फॉर्म नहीं भरा है, तो पहले Login or Register पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।
अपनी बेसिक डिटेल्स भरें और रजिस्ट्रेशन, पासवर्ड जनरेट करें।
फिर लॉग-इन पर जाकर रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड दर्ज करें।
अब दिल्ली पुलिस एसआई भर्ती 2025 के लिंक पर क्लिक करें।
आपके सामने पूरा फॉर्म खुल जाएगा।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
सिग्नेचर और अपना लाइव फोटो कैप्चर करें।
कैटेगरी के मुताबिक फीस का भुगतान करें।
फॉर्म का फाइनल प्रिंट आउट निकालकर रखें।

DRDO में 195 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

रक्षा अनुसंधान एंव विकास संगठन (DRDO) ने 195 पदों पर भर्ती निकाली है। यह भर्ती ट्रेनिंग अनुसंधान केंद्र के लिए की जाएंगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट drdo.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
27 सितंबर से 28 अक्टूबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस :
ECE, EEE, CSE, मैकेनिकल और केमिकल इंजीनियरिंग में बीई, बीटेक की डिग्री
टेक्निकल अप्रेंटिसशिप
ECE, EEE, CSE, मैकेनिकल और केमिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
ट्रेड अप्रेंटिस
संबंधित ट्रेड जैसे फिटर, वेल्डर, टर्नर, मैकेनिस्ट, मैकेनिक डीजल, इलेक्ट्रॉनिक-मैकेनिक, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, लाइब्रेरी असिस्टेंट और COPA उम्मीदवार अप्लाई कर सकते हैं।
वे उम्मीदवार जिन्होंने 2021, 2022, 2023, 2024 और 2025 में ग्रेजुएशन, डिप्लोमा और आईटीआई में 70% या इससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वे ही आवेदन कर सकते हैं।

एज लिमिट :
न्यूनतम 18 वर्ष

स्टाइपेंड :
पद के अनुसार 8000 - 9000 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
क्वालिफिकेशन के बेसिस पर शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

ऐसे करें आवेदन :
बीई / बीटेक / डिप्लोमा उम्मीदवारों को रजिस्ट्रेशन के लिए nats.education.gov.in और आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस के लिए apprenticeshipindia.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करना होगा।
यहां रिसर्च सेंटर इमारत एनरोलमेंट आईडी- STLRA-CO00010 के जरिए आप संबंधित ट्रेड में आवेदन की प्रक्रिया शुरू करें।

RRB NTPC ने 8,875 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन किया जारी

रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) की ओर से आरआरबी एनटीपीसी ग्रेजुएट और अंडर ग्रेजुएट के पदों पर भर्ती के लिए शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। आरआरबी एनटीपीसी ग्रेजुएट के लिए कुल 5817 पद और आरआरबी एनटीपीसी अंडर ग्रेजुएट के लिए कुल 3058 पद आरक्षित किए गए हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rrbcdg.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
12वीं पास

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग और पूर्व सैनिकों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी - 1 एग्जाम
सीबीटी - 2 एग्जाम
हर गलत उत्तर के लिए 0.25 मार्क्स की निगेटिव मार्किंग भी होगी।

सैलरी :
19,900 - 35,400 रुपए प्रतिमाह

फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूडी, महिला, पूर्व सैनिक : 250 रुपए

एग्जाम पैटर्न :
उम्मीदवारों से सामान्य जागरूकता, गणित और रीजनिंग विषय से सवाल पूछे जाएंगे।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.rrbcdg.gov.in पर जाएं।
नई रजिस्ट्रेशन के विकल्प पर क्लिक करें।
आपके सामने रेलवे जोन की लिस्ट खुल जाएगी। जिस जोन के लिए फॉर्म भरना चाहते हैं, उस पर क्लिक करें।
Check Ability पर क्लिक करके आगे बढ़ें।
अप्लाई के बटन पर क्लिक करें।
मांगी गई सभी डिटेल्स दर्ज करके फॉर्म भरें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस भरकर फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंट आउट लेकर रखें।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले दैनिक रॉयल पत्रिका एवं डिजिटल रॉयल पत्रिका के लिए 5 रिपोर्टर्स एवं 2 विज्ञापन लाने के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार, अनुभवी को प्राथमिकता। इंटर्नशिप करने के इच्छुक उम्मीदवार भी संपर्क कर सकते हैं।
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें -

संपर्क करें -
- royalpatrika@gmail.com
- +91-9772552446

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)
महत्वपूर्ण नोट्स (Table Format)

विषय	विवरण	UPSC के लिए महत्व
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020	29 जुलाई 2020 को मंजूर, यह बहु-विषयक शिक्षा, मातृभ्यक कक्षा, और डिजिटल शिक्षा पर जोर देती है। NRF, HECI, और ECCE इसके प्रमुख घटक हैं।	सामान्य अध्ययन पेपर-II: शिक्षा नीति, सामाजिक विकास।
चंद्रयान और लूपेक्स	चंद्रयान-3 (2023) ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग की। लूपेक्स (ISRO-JAXA) चंद्रमा पर पानी की खोज करता है।	सामान्य अध्ययन पेपर-III: विज्ञान और प्रौद्योगिकी।
खो-खो वर्ल्ड कप 2025	नई दिल्ली में आयोजित, 24 देशों की 32 टीमें भाग लेंगी। यह भारतीय खेल संस्कृति को बढ़ावा देता है।	सामान्य अध्ययन पेपर-I: सांस्कृतिक विकास।
जैव विविधता (CBD COP16)	काली, कोलंबिया में 2024 में आयोजित। CBD जैव विविधता संरक्षण और सतत उपयोग पर केंद्रित है।	सामान्य अध्ययन पेपर-III: पर्यावरण और पारिस्थितिकी।
राष्ट्रीय प्रतीक	अशोक स्तंका भारत का राष्ट्रीय चिह्न है। ध्वज में केसरिया (बलिदान), सफेद (शांति), और हरा (समृद्धि) शामिल हैं।	सामान्य अध्ययन पेपर-I: भारतीय संस्कृति और इतिहास।
आयुष्मान भारत	2018 में शुरू, यह 50 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान करता है।	सामान्य अध्ययन पेपर-II: सामाजिक क्षेत्र की योजनाएँ।
स्वच्छ भारत मिशन	2 अक्टूबर 2014 को शुरू, यह स्वच्छता और खुले में शौच से मुक्ति पर केंद्रित है।	सामान्य अध्ययन पेपर-II: शासन और सामाजिक विकास।

अतिरिक्त 50+ MCQs प्राप्त करने की रणनीति
1. ऑनलाइन संसाधन:
o GKToday: उनकी वेबसाइट (www.gktoday.in) पर दैनिक करेंट अफेयर्स MCQs उपलब्ध हैं।
o BYJU's: साप्ताहिक करेंट अफेयर्स क्विज़ प्रदान करता है, जो UPSC स्तर के हैं।
o Clear IAS: 90+ मॉडल प्रश्न और मॉक टेस्ट उपलब्ध हैं।
o Test book: UPSC प्रीलिम्स के लिए MCQs और विश्लेषण प्रदान करता है।
2. पुस्तकें:
o "Pawan Kumar Konda: 2000 MCQs on Indian Polity" – भारतीय राजव्यवस्था पर केंद्रित।
o "Manorama Yearbook" और "India 2025" – राष्ट्रीय घटनाओं पर आधारित प्रश्न।
3. X पर संसाधन:
o उपयोगकर्ता जैसे @Rajmalhotrachd ने 2500 करेंट अफेयर्स MCQs का PDF साझा किया। (सावधानी: विश्वसनीयता की जाँच करें)
4. मॉक टेस्ट:
o Vision IAS, Drishti IAS, और InsightsonIndia पर मुफ्त मॉक टेस्ट उपलब्ध हैं।
o UPSC प्रीलिम्स 2024 के प्रश्नपत्रों का अभ्यास करें। []
5. स्थानीय संसाधन:
o UPSC कोचिंग सेंटरों या पुस्तकालयों से करेंट अफेयर्स पत्रिकाएँ (जैसे, दृष्टि IAS, योजना) प्राप्त करें।
6. स्व-निर्मित MCQs:
o "The Hindu" या "Indian Express" के लेखों से प्रश्न बनाएँ।
o NCERT पुस्तकों (इतिहास, भूगोल, पर्यावरण) से आधारित प्रश्न तैयार करें।

तैयारी के लिए सुझाव
• करेंट अफेयर्स: दैनिक समाचार पत्र (जैसे, दैनिक भास्कर) और मासिक पत्रिकाएँ (जैसे, योजना, कुरुक्षेत्र) पढ़ें।
• मॉक टेस्ट: Testbook और Vision IAS से नियमित अभ्यास करें। [,]
• संशोधन: संक्षिप्त नोट्स बनाएँ (उदाहरण: चंद्रयान-3 – 23 अगस्त 2023, दक्षिणी ध्रुव) और फ्लैशकार्ड्स का उपयोग करें।
• स्वास्थ्य: 15 मिनट योग, 7-8 घंटे की नींद, और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

फेफड़ों में कैंसर के लक्षण:

शरीर में दिखने वाले गंभीर संकेत

दुनिया भर में कैंसर आज एक गंभीर बीमारी के रूप में सामने आ चुका है। यह केवल किसी एक देश या समाज तक सीमित नहीं है बल्कि पूरी दुनिया के लिए चुनौती बना हुआ है। कैंसर कई प्रकार का होता है, लेकिन फेफड़ों का कैंसर (Lung Cancer) सबसे खतरनाक और तेजी से फैलने वाला माना जाता है। इसकी सबसे बड़ी वजह धूम्रपान और तंबाकू का सेवन है। विशेषज्ञों के अनुसार 10 में से लगभग 7 मामले धूम्रपान से ही जुड़े होते हैं। हालांकि, यह गैर-धूम्रपान करने वालों को भी हो सकता है। फेफड़ों का कैंसर धीरे-धीरे बढ़ता है और शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य बीमारियों जैसे खांसी, थकान या सांस लेने में दिक्कत से मिलते-जुलते होते हैं। यही वजह है कि लोग अक्सर इसे नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि शुरुआती पहचान से इसका इलाज आसान हो सकता है।

लगातार खांसी रहना
फेफड़ों के कैंसर का सबसे आम और शुरुआती लक्षण लगातार खांसी रहना है। अगर खांसी तीन हफ्तों से ज्यादा समय तक बनी रहे और दवाइयों से भी ठीक न हो रही हो, तो यह फेफड़ों के कैंसर का संकेत हो सकता है। खांसी के साथ बलगम आना। खून या खून की लकीरें दिखाई देना। खांसी का धीरे-धीरे बढ़ना।

सांस लेने में तकलीफ़ (Shortness of Breath)
यदि बिना किसी वजह के सांस फूलने लगे या थोड़े से काम करने पर ही थकान और सांस लेने में कठिनाई महसूस हो, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। फेफड़ों में ट्यूमर बनने से वायु मार्ग (Airways) ब्लॉक हो सकता है जिससे सांस लेने में परेशानी होती है।

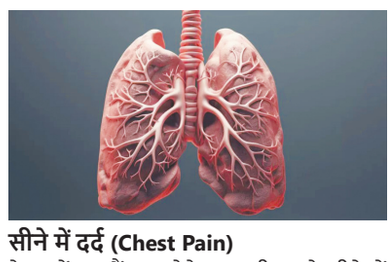

सीने में दर्द (Chest Pain)
फेफड़ों का कैंसर होने पर मरीज को सीने में लगातार दर्द महसूस होता है। यह दर्द गहरी सांस लेने, खांसने या हंसने पर बढ़ सकता है। कई बार यह दर्द कंधों और पीठ तक भी फैल जाता है।

आवाज़ में बदलाव (Hoarseness)
अगर आवाज़ अचानक भारी या बैठने लगे और लंबे समय तक सामान्य न हो, तो यह भी कैंसर का संकेत हो सकता है। इसका कारण कैंसर की वजह से वोकल कॉर्ड पर दबाव पड़ना है।

बार-बार इन्फेक्शन होना
ब्रोंकाइटिस (Bronchitis) या निमोनिया जैसी फेफड़ों की बीमारियां अगर बार-बार हो रही हों और ठीक होने के बाद फिर से दोहराई जा रही हों, तो यह भी कैंसर का लक्षण हो सकता है।

वजन का अचानक कम होना
अगर बिना डाइटिंग किए या किसी वजह के बिना वजन तेजी से कम होने लगे तो इसे भी गंभीरता से लेना चाहिए। फेफड़ों के कैंसर में शरीर की कोशिकाएं जरूरत से ज्यादा ऊर्जा खर्च करने लगती हैं जिससे वजन तेजी से घटता है।

थकान और कमजोरी (Fatigue)
लगातार थकान, आलस और कमजोरी महसूस होना भी एक बड़ा संकेत है। कैंसर कोशिकाएं शरीर की ऊर्जा को तेजी से खत्म करती हैं जिससे शरीर थका-थका सा लगता है।

हड्डियों और सिर में दर्द
अगर कैंसर फेफड़ों से बढ़कर शरीर के दूसरे हिस्सों जैसे हड्डियों या दिमाग तक फैल जाए तो यह हड्डियों में तेज दर्द, सिरदर्द और कभी-कभी दौरे (Seizures) का कारण भी बन सकता है।

चेहरे और गर्दन पर सूजन
फेफड़ों के कैंसर के कारण मुख्य नसों पर दबाव पड़ सकता है जिससे खून का बहाव बाधित होता है और चेहरे, गर्दन या बाहों में सूजन आ सकती है।

खून की कमी (Anemia)
कैंसर कोशिकाओं के कारण शरीर में खून की कमी हो सकती है। इसके चलते चक्कर आना, चेहरा पीला पड़ना और कमजोरी महसूस होना सामान्य है।

भूख न लगना
फेफड़ों का कैंसर होने पर कई मरीजों को भूख कम लगती है। खाना खाने में अरुचि और पेट जल्दी भरने जैसा महसूस होना भी इसके लक्षण हैं।

किन्हें ज्यादा खतरा होता है?
लंबे समय से धूम्रपान करने वाले लोग। पैसिव स्मोकिंग यानी दूसरों के धुएं के संपर्क में आने वाले। प्रदूषण और जहरीले धुएं में काम करने वाले लोग। जिनके परिवार में पहले फेफड़ों के कैंसर के केस रहे हों। रेडॉन गैस और एस्बेस्टस जैसे रसायनों के संपर्क में आने वाले लोग।

कब करें डॉक्टर से संपर्क?
अगर ऊपर बताए गए लक्षणों में से कोई भी 2-3 हफ्तों से ज्यादा समय तक बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। शुरुआती स्टेज में इसका इलाज संभव है लेकिन देर होने पर यह जानलेवा साबित हो सकता है।

मध्यप्रदेश SET परीक्षा से बनेगा उच्च शिक्षा विभाग में कॅरियर

आज के दौर में हर युवा अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए अच्छी शिक्षा और बेहतर कॅरियर अवसर की तलाश करता है। उच्च शिक्षा विभाग में कॅरियर बनाना कई विद्यार्थियों का सपना होता है, क्योंकि यहां न केवल समाज की सेवा करने का अवसर मिलता है बल्कि आत्म-संतुष्टि और प्रतिष्ठा भी प्राप्त होती है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस एसबीएन शासकीय पीजी कॉलेज, बड़वानी ने एक सराहनीय पहल की है। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. वीणा सत्य ने बताया कि स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) की राज्य पात्रता परीक्षा (SET) की तैयारी के लिए युवाओं को विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। यह परीक्षा उन युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है, जो उच्च शिक्षा विभाग में सहायक प्राध्यापक (Assistant Professor), लाइब्रेरियन या स्पोर्ट्स ऑफिसर जैसे पदों पर कॅरियर बनाने की इच्छा रखते हैं।

SET परीक्षा क्या है और क्यों है महत्वपूर्ण?
राज्य पात्रता परीक्षा (SET) दरअसल यूजीसी नेट (UGC-NET) के समकक्ष एक राज्य स्तरीय परीक्षा है। यह परीक्षा विशेष रूप से मध्यप्रदेश राज्य के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भर्ती के लिए मान्य होगी। अर्थात यदि कोई युवा

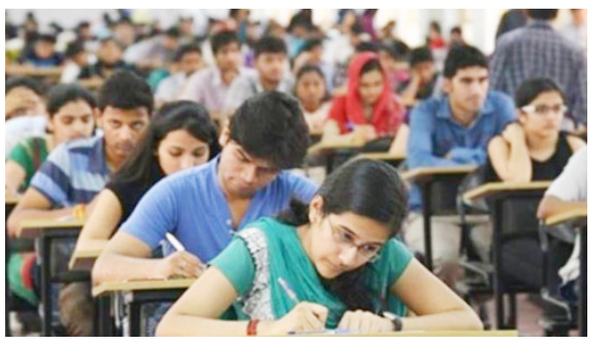

मध्यप्रदेश में सहायक प्राध्यापक या अन्य शैक्षणिक पदों पर कार्य करना चाहता है तो यह परीक्षा पास करना अनिवार्य है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर डॉ. मधुसूदन चौबे के अनुसार, यह परीक्षा पूरी तरह MPPSC के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित की जाएगी। परीक्षा का आयोजन अगले वर्ष जनवरी माह में प्रस्तावित है। ऐसे में विद्यार्थियों के पास अभी तीन से अधिक महीनों का समय है, जिसे सही रणनीति और मेहनत के साथ उपयोग करके सफलता प्राप्त की जा सकती है।

परीक्षा की संरचना और विषय
इस परीक्षा की संरचना बिल्कुल यूजीसी नेट और सीएसआईआर नेट की तरह होगी। इसमें कई प्रमुख विषय शामिल किए गए हैं, ताकि विभिन्न विषयों में रुचि रखने वाले विद्यार्थी अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें।

मुख्य विषयों में शामिल हैं –
रसायन विज्ञान, वाणिज्य, संगणक विज्ञान एवं अनुप्रयोग, अपराधशास्त्र, रक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन, पृथ्वी, वायुमंडलीय, महासागर एवं ग्रह विज्ञान, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, भूगोल, हिंदी, इतिहास, गृह विज्ञान, विधि, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, जीव विज्ञान, प्रबंधन, गणितीय विज्ञान, नृत्य, दर्शनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, भौतिक विज्ञान, राजनीति, विज्ञान, मनोविज्ञान, मराठी, संगीत, संस्कृत, समाजशास्त्र, परंपरागत संस्कृत विषय – ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, धर्मशास्त्र, उर्दू, चित्रकला,योग
यह विस्तृत पाठ्यक्रम उच्च शिक्षा के विविध क्षेत्रों को समाहित करता है, जिससे विभिन्न पृष्ठभूमि के विद्यार्थी अपने विषय के अनुसार परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

तैयारी के लिए उपलब्ध अवसर
कॉलेज की कॅरियर मार्गदर्शन सेल द्वारा विद्यार्थियों को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से जानकारी और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें परीक्षा की संरचना, पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया और पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों के आधार पर तैयारी की रणनीति समझाई जा रही है। इसके अलावा, विशेषज्ञों और अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा गेस्ट लेक्चर, मॉक टेस्ट, प्रैक्टिस सेशन और मोटिवेशनल सेमिनार का भी आयोजन किया जा रहा है। यह उन युवाओं के लिए विशेष मददगार साबित होगा, जो पहली बार इस तरह की प्रतिस्पर्धी परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं।

सफलता की कुंजी: समय का सदुपयोग
वर्तमान में विद्यार्थियों के पास लगभग तीन माह से अधिक का समय है। यदि वे इसे सही ढंग से प्रयोग करते हैं, तो सफलता प्राप्त करना कठिन नहीं होगा। तैयारी के दौरान निम्न बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है – सिलेबस का गहन अध्ययन – सबसे पहले पूरा सिलेबस समझें और कठिन टॉपिक्स को पहचानें। नियमित अध्ययन – रोजाना तय समय पर अध्ययन करना आवश्यक है। मॉक टेस्ट और प्रैक्टिस – अधिक से अधिक टेस्ट हल करें ताकि समय प्रबंधन की आदत बने। नोट्स तैयार करना – संक्षिप्त नोट्स बनाकर बार-बार दोहराएं। मेंटल स्ट्रेंथ – आत्मविश्वास बनाए रखें और सकारात्मक सोच के साथ तैयारी करें।

दशहरे के अवसर पर दरीखाने में दिखी राजसी वैभव की झलक

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला भी हुए शामिल

कोटा (रॉयल पत्रिका) । विजयदशमी के अवसर पर गढ़ पैलेस पर परम्परागत दरीखाना सजा। जहां हाड़ौती के पूर्व ठिकानों के प्रतिनिधि, प्रबुद्धजन, जनप्रतिनिधि व समाजसेवी आदि शामिल हुए। जहाँ पर पूर्व राजपरिवार के सदस्य पूर्व महाराव इज्यराज सिंह, पूर्व महाराज कुमार जयदेव सिंह ने बारी-बारी से सब से मुलाकात कर दशहरे की मुबारकबाद दी। जैसे-जैसे शाम ढलती गई वैसे-वैसे दरी खाने की रोनक बढ़ती गई तय समय पर पूर्व राजपरिवार के सदस्य पूजा करके दरी खाने पर पहुंचे जहां पर दशहरे की बधाई का सिलसिला शुरू हुआ जो देर तक चला इसके बाद राजसी वैभव के साथ शाही सवारी रवाना हुई जिसके पीछे बैंड बाजे, वानर सेना, कालबेलिया नृत्य और हाडोती की लोक संस्कृति की झलक दिखाने कलाकार चल रहे थे। दरीखाने में उपस्थित मुख्य लोगों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उर्जा मंत्री हीरा लाल नागर, संदीप शर्मा विधायक कोटा दक्षिण, मेला अध्यक्ष विवेक राजवंशी, पूर्व बूंदी

महाराव वंशवर्धन सिंह, अभिमन्यु सिंह बम्बूलिया, भाईजान एडवोकेट नवीद अशफ़ाक रज़ा, पूर्व महाराव के पीएस वीपी सिंह, पीएस रणवीर सिंह छोटू, पी एस रुपेश राय,करणवीर सिंह राजगढ़, शक्ति सिंह राजगढ़, अजीत सिंह माथनी, निखिलेश सेठी, एड. आसफ अली कालपा, हनीफ ज़ैदी, डॉ. इरफान खान व शाकिर अली रिछ्दा, एड. सोहेल खान बडोरा, सलाम खान व अन्य गणमान्य नागरिक व ठिकानेदार उपस्थित हुए।

जिले में महात्मा गांधी की 156 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि व स्वच्छता अभियान का आयोजन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156 वीं जयंती जिलेभर में श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत, उपखंड स्तर से लेकर जिला मुख्यालय तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय बारां में मुख्य कार्यक्रम मिनी सचिवालय परिसर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9:30 बजे गांधीजी के प्रिय भजन और रामधुन की मधुर प्रस्तुतियों के साथ हुआ, जो 45 मिनट तक उपस्थित लोगों को गांधीजी के जीवन दर्शन और सत्य-अहिंसा के मूल्यों की याद दिलाते रहे। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं जिला परिषद के सीईओ राजवीर सिंह चौधरी ने गांधीजी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और पुष्पमाला अर्पित कर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग

के सहायक निदेशक दुर्गा शंकर मीणा, एडीएम विश्वजीत सिंह, तहसीलदार दशरथ मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित रहे। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में जिलेभर में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। सभी सरकारी कार्यालयों, पंचायत भवनों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने गांधीजी के विचारों को आत्मसात करने और स्वच्छता, सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

इनरव्हील क्लब द्वारा 51 कन्याओं को करवाया गया भोजन

बारां (रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब द्वारा 51 कन्याओं को भोजन कराया गया। नवरात्रि के अवसर पर इनरव्हील क्लब की ओर से सार्वजनिक पार्क में कन्या पूजन एवं भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 51 कन्याओं को सम्मान आमंत्रित कर विधिवत पूजा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत सभी कन्याओं के चरण पखारकर तथा उन्हें रोली-चावल का तिलक लगाकर पूजन से हुई। इसके बाद उन्हें प्रेमपूर्वक भोजन करवाया गया। अंत में प्रत्येक कन्या को पुरस्कार स्वरूप उपहार भेंट किए गए। क्लब की अध्यक्षा नीतू गुप्ता ने बताया कि नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष महत्व है। मान्यता है कि कन्याओं में माँ दुर्गा का ही स्वरूप विद्यमान होता है, इसलिए नवरात्रि

के दिनों में कन्याओं को भोजन कराकर व पूजन कर उनका आशीर्वाद लेना सौभाग्यदायी माना जाता है। चार्टर मेम्बर ललिता टोंगिया, मृदुला मारू, मंजू बंसल, दिव्या जैन, शिल्पा अग्रवाल, चारु गुप्ता, आराधना ओझा आदि मौजूद रहे। सभी सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के माध्यम से समाज में बेटियों के सम्मान और उनकी महत्ता का संदेश भी दिया गया। अंत में नीतू गुप्ता ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा हम सभी मिलकर पूरे साल समाज सेवा के काम में अग्रसर रहेंगे।

टॉप-10 वांछित सूची में शामिल 10 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

-3 साल से जाली नोट मामले में था फरार

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका) । दयाराम बैरवा चेचट पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना मंडाना के जाली नोट प्रकरण में तीन साल से फरार चल रहा 10 हजार रुपए का इनामी अपराधी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आरोपी कमल यादव पुत्र दयाराम, जाति अहीर, निवासी जाख थाना सुसनेर जिला आगर मालवा (म.प्र.) को थाना चेचट पुलिस ने गिरफ्तार किया। थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद मीना ने बताया कि आरोपी मंडाना थाना क्षेत्र के प्रकरण में वांछित था। आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था और उसे टॉप-10 वांछित अपराधियों की सूची में भी शामिल किया गया था। विशेष टीम ने आरोपी की गतिविधियों, उसके रिश्तेदारों और नज़दीकी लोगों पर लगातार निगरानी रखी। आरोपी बार-बार ठिकाने बदलकर

पुलिस को चकमा देता रहा। कभी जैसलमेर इलाके में तो कभी मध्यप्रदेश के अलग-अलग जिलों में छुपकर रहा, लेकिन पुलिस की पैनी नज़र से बच नहीं पाया। आखिरकार टीम ने उसे आगर मालवा से गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि जनवरी 2023 में थाना मंडाना पुलिस ने जाली नोट प्रिंटिंग प्रकरण में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नकली करेंसी, प्रिंटर और पेपर बरामद किए थे। पूछताछ में सामने आया कि इस गिरोह में कमल यादव भी शामिल है, जो तभी से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी अभियान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा और वृत रामगंजमंडी के पुलिस उप अधीक्षक घनश्याम के सुपरविजन में चलाया गया। थाना चेचट के थानाधिकारी राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में बनी टीम में हैडकॉन्स्टेबल जोगेंद्र सिंह, कानि. रामकिशोर, दिनेश कुमार, राजेंद्र, सुरेन्द्र मीणा और सूर्यप्रकाश शामिल रहे।

राजस्थान पर्यावरण प्रकोष्ठ संरक्षण के प्रदेश सचिव बने तबरेज पठान

कोटा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की सहमति से राजस्थान पर्यावरण प्रकोष्ठ संरक्षण के प्रदेशाध्यक्ष सुशील पारीक ने कोटा निवासी तबरेज पठान को प्रदेश सचिव मनोनीत किया। तबरेज पठान के प्रदेश सचिव बनने पर कोटा में कांग्रेस जनों, समाजिक कार्यकर्ताओं ने फूल - मालाओं व पगड़ी बांध कर उनका इस्तकबाल किया। प्रदेश सचिव बनने पर तबरेज पठान ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष सुशील पारीक ने भरोसा करतें हुए अहम जिम्मेदारी दी हें और कांग्रेस पार्टी के लिए जिम्मेदारी से काम करने की

ज़रूरत है। स्वागत करने वालों में मौलाना फज्लें हक़, एडवोकेट अख्तर खान अकेला, कैलाश बंजारा, रईस सरपंच, रशीद क़ादरी, शाहनवाज़ हुसैन, दीपक मीणा, नितिन, आबिद खान, परवेज़ अख्तर, शफी भाई, महेंद्र गुर्जर, आदि प्रमुख रहे।

भरतपुर की घटना के विरोध में शिक्षा परिवार का आक्रोश निजी स्कूल संचालकों ने सौंपा ज्ञापन

रामगंज मंडी (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के नेतृत्व के आव्हान पर और रघुकुल नंदन गौतम (प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी) के निर्देशन में स्कूल शिक्षा परिवार ब्लॉक रामगंज मंडी के निजी स्कूल संचालकों ने भरतपुर में घटित दुर्भाग्यपूर्ण घटना के विरोध में एकजुट होकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदेश संगठन सचिव नरेश शर्मा एवं जिला प्रभारी गिर्राज शर्मा के मार्गदर्शन तथा ब्लॉक अध्यक्ष भवानी शंकर शेरावत की अगुवाई में यह ज्ञापन तहसीलदार नेहा वर्मा को सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि घटना की निष्पक्ष जांच हो, संबंधित एसएचओ को तत्काल निलंबित किया जाए और राज्य में ऐसा सख्त कानून बनाया जाए जिससे शिक्षा के मंदिरों और शिक्षकों की गरिमा सुरक्षित रह सके। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से जय कुमार शर्मा (प्रेस प्रवक्ता) जगदीश धनिया

राजेंद्र धनिया विवेक त्रिवेदी जयंत राठौर, राकेश राठौर मुकेश मीणा गिर्राज मीणा पूनम चंद, मोहनलाल माली हरिसर सूर्यकांत सक्सेना गुलजार अहमद विष्णु जैन राजेश महेश्वरी प्रहलाद धाकड़ दिलीप गुप्ता सत्यनारायण मनीष जैन ब्रह्मानंद गुर्जर सहित लगभग 55 से 60 निजी स्कूल संचालक उपस्थित रहे।

गांधी जयंती पर निकली प्रभात फेरी

-महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। रामगंज मंडी बाजार नंबर 3 में होते हुए अम्बेडकर सर्किल पहुंची। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए प्रभात फेरी वापस बाजार नंबर 7 में होते हुए स्टेशन चौराहे स्थित गांधी चौक पहुंची। यहां सभी लोगों के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। गांधी चौक में दोबारा से पूर्व पार्षद राजेंद्र धानिया द्वारा दे दी हमे आजादी बिना खड्ग, जय जगत, रघुपति राघव राजा राम जैसे गीत गाए गए। प्रभात फेरी में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र सिंह सुबह प्रभात फेरी निकली गई। सुबह साढ़े छह बजे गांधी चौक से भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के पीछे चलने वाली प्रभात फेरी गांधी चौक स्टेशन चौराहा से प्रारंभहुई जो बाजार नंबर एक में मालगोदाम चौराहे से बाजार नंबर 4 सरकारी कुआं होते शहीद पन्नालाल सर्किल पहुंची। प्रभात फेरी में शामिल होने वाले लोग भजन गाते हुए चल रहे थे। शहीद पन्नालाल सर्किल पर शहीद पन्नालाल की मूर्ति पर माल्यार्पण हुआ। यहां से प्रभात फेरी बाजार नंबर 3 में होते हुए अम्बेडकर सर्किल पहुंची। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए प्रभात फेरी वापस बाजार नंबर 7 में होते हुए स्टेशन चौराहे स्थित गांधी चौक पहुंची। जहां सभी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। गांधी चौक पर पूर्व पार्षद राजेंद्र धानिया द्वारा गीत गाए। प्रभात फेरी में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र सिंह गोयन्दा, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पवन बाबेल, पूर्वके अध्यक्ष पवन बाजार नंबर 3 में होते हुए अम्बेडकर सर्किल पहुंची। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए प्रभात फेरी

वापस बाजार नंबर 7 में होते हुए स्टेशन चौराहे स्थित गांधी चौक पहुंची। यहां सभी लोगों के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। गांधी चौक में दोबारा से पूर्व पार्षद राजेंद्र धानिया द्वारा दे दी हमे आजादी बिना खड्ग, जय जगत, रघुपति राघव राजा राम जैसे गीत गाए गए। प्रभात फेरी में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र सिंह गोयन्दा रहे।

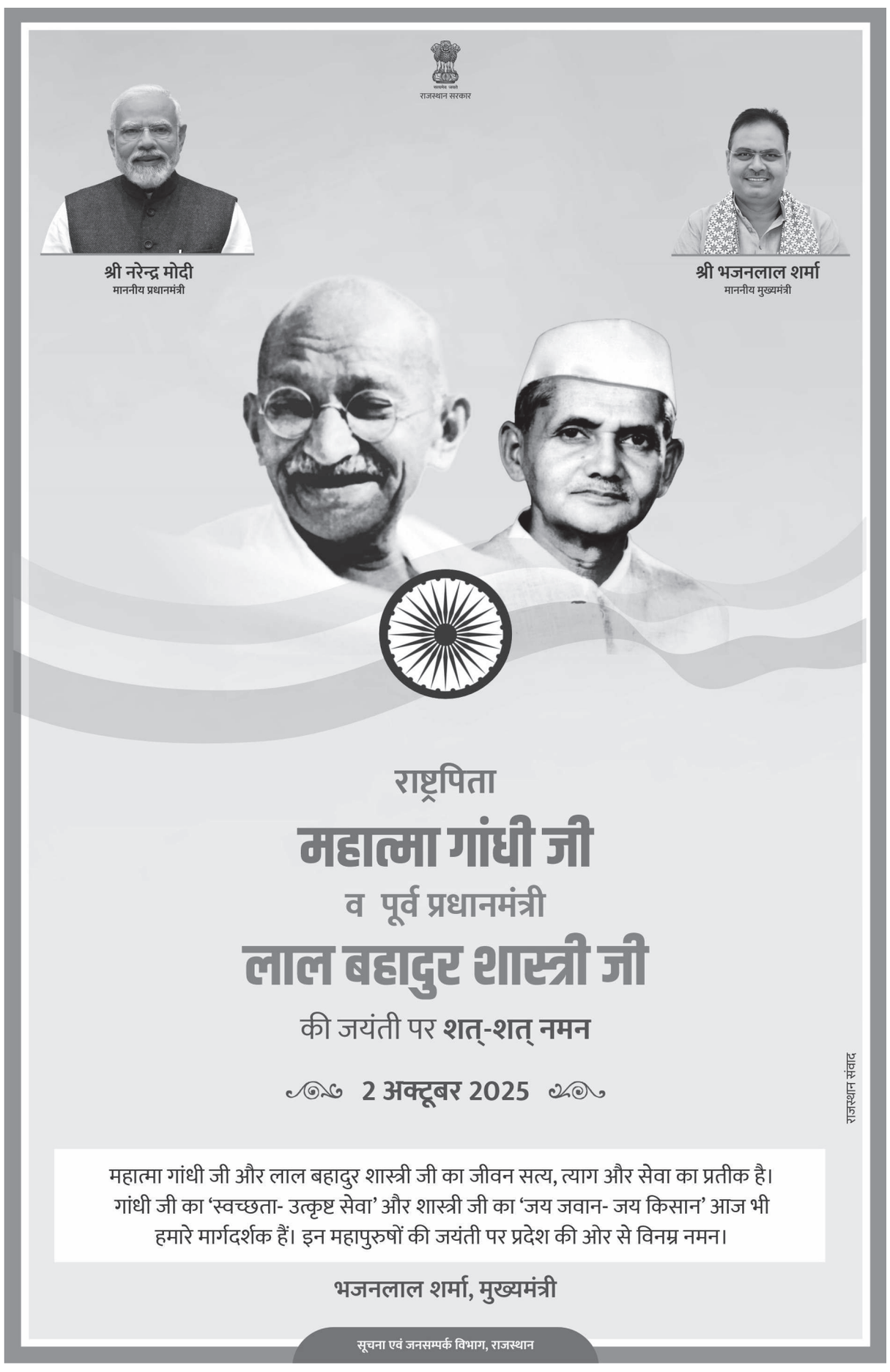

सार्वजनिक संस्था धर्मादा के संचालक मंडल के चुनाव सम्पन्न

-एक पैनल से 8 तो दूसरे पैनल से 7 सदस्य हुए निर्वाचित

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। सार्वजनिक संस्था धर्मादा के संचालक मंडल सदस्यों के चुनाव शनिवार को संस्था धर्मादा धर्मशाला में संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी हेमराज गोयल (जर्दा वाले) सतीश गुप्ता और वीरेंद्र अग्रवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि 404 मतदाताओं में से 399 मतदाताओं ने मतदान प्रकिया में भाग लिया। चुनाव में दोनों पैनलों के कुल 27 उम्मीदवार मैदान में थे। जिनमें विमल बंसल गुट के 7 और मनीष लश्करी गुट के 8 टोटल 15 उम्मीदवार विजय घोषित किए गए। सुबह 8 बजे से चली मतदान प्रक्रिया दोपहर 1 बजे तक चली। इसके बाद दोपहर 3 बजे से मतों की गिनती शुरू हुई जो रात 9 बजे तक पूरी हुई।

ये 15 सदस्य हुए विजय घोषित

मतगणना के पश्चात प्रभात खंडेलवाल 254 मत, प्रमोद बंसल 253 मत, किशन कुमार अग्रवाल 248 मत, हरीश कुमार

विजय 247 मत, जगदीश प्रसाद बंसल 244 मत, दीप पतीरा 233 मत, पुनीत कुमार गुप्ता 232 मत, विनय जालान 230 मत, दिनेश नागर 224 मत, आशीष कुमार नागर 221 मत, अवधेश कुमार शर्मा 217 मत, निशांत सेठी 216 मत, शिवा गर्ग (बिट्) 211 मत, विवेक नागर 210 मत, अशोक कुमार नागर 207 मत प्राप्त कर निर्वाचित हुए। निर्वाचित सभी सदस्यों का चुनाव अधिकारियों ने माला पहनाकर स्वागत किया।

सरकारी सेवा में चयन होने पर किया स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका) । मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के तत्वावधान में कैथून निवासी मुस्कान मेव का पीएचईडी विभाग जूनियर इंजीनियर (जेईएन) के पद पर चयन होने पर तथा सानिया मेव का 12वीं कक्षा में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर मोलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष शेख बहादुर, सलाहकार हाजी लियाकत अली मेव, संरक्षक मुकेश राठौर, इदरीस अली मेव, कय्यूम गोरी ने भंवरगढ़ पहुंच कर दोनों बालिकाओं का शॉल उढाकर स्मृति चिन्ह भेंट कर फूल मालाओं से स्वागत कर मुबारकबाद दी स्वागत समारोह में कस्बे के अन्य लोग भी शामिल रहे।

ऑल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी रतनगढ़ की ओर से 176 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

रतनगढ़ (रॉयल पत्रिका)। टाउन हॉल में रविवार को सातवां फातिमा शेख एजाजनामा प्रतिभा सम्मान समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोसाइटी के अध्यक्ष अब्दुल सत्तार तंवर ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. एम ए खान प्रोफेसर एसबीडी कॉलेज सरदारशहर ने कहा कि सफलता को लगातार बनाये रखना बे हद ज़रूरी है। सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. शेर मोहम्मद ने कहा की सम्मान से प्रतिभाओं में निखार आता है। असि.प्रोफेसर डॉ. शमशाद अली ने शानदार मोटिवेशनल स्पीच देते हुए प्रतिभाओं को अपना लक्ष्य निर्धारित कर सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अतिरिक्त जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एहसान गौरी ने कहा कि मेहनत के दम पर हर मंजिल को हासिल किया जा सकता है। सेवानिवृत पुलिस अधिकारी अनवर अली खान ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए क़दम क़दम पर उनके साथ हैं। डॉ. अब्दुल गफ्फार डीएमडब्ल्यूओ जयपुर, डॉक्टर साजिद गौरी, असगर अली जोइया रिटायर्ड जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, चूरू फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष शकील दुर्रानी एवं हारून कुरैशी आदि भी मंचासीन अतिथि थे। रुखसार बानो ने पाक कुरान शरीफ की तिलावत से प्रोग्राम का आगाज किया। कक्षा 10 और 12 में 75% से अधिक अंक प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं, सरकारी नौकरी में नव चयनित या सेवानिवृत होने वाले कार्मिक, खेल कूद में जिला स्तर या राष्ट्रीय स्तर पर चयनित खिलाड़ी, प्रतियोगी

परीक्षा में चयनित होने वाले अभ्यार्थियों सहित 176 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया वक्ताओं ने समाज की एकजुटता, शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की जरूरत और बालिका शिक्षा पर विशेष जोर देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में समाजसेवी याकूब गोरी गोलसर द्वारा सभी प्रतिभाओं को बैग वितरित किए गए। रमजान लीलगर ने धार्मिक साहित्य भेंट किया। प्रतिभाओं का मोमेंट और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया एसीएमएचओ डॉक्टर एहसान गोरी ने ₹11000 नगद राशि देकर समिति का सहयोग किया। सुल्तान खान, हाजी नियामत अली और अरशद अली ने भी आर्थिक सहयोग दिया। सेवानिवृत्त शिक्षा अधिकारी मोहम्मद अनवर कुरैशी ने अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया। समिति के कोषाध्यक्ष कासम निर्बाण ने आभार प्रकट किया और कहां की सोसाइटी अल्पसंख्यक समाज की प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के हर प्रकार के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सैय्यद मोहम्मद असलम और सफी मोहम्मद ने किया। इस अवसर पर मेराजुद्दीन, सलीमखान, लियाकत अली, यूसुफ खान, मौसिम खान, फारुख मनियार, हाकम मनियार, युनुस सलीम, मोती खान, पीरू खान, सिराजहमद, जाफर अली, सद्दाम अल्वी, खुर्शीद खान, मोहिद्दीन खान, बाबूखान, अब्दुल जब्बार खोखर, अशफाक अली, अमजद खान, शरीफ अली, पार्षद अकरम खान, फारुख खान, भंवर खान क़ाज़ी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

लाडनूं में विशाल मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

-क्षेत्र की 165 प्रतिभाओं का किया गया सम्मान

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। नूर फाउंडेशन के तत्वावधान में आज आठवी वीं पट्टी स्थित हाथी नोहरा में सुबह 10 बजे से उपखंड स्तरीय मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र की 165 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। नूर फाउंडेशन के संरक्षक/ अध्यक्ष डॉ. गुलाब नबी सिसोदिया ने बताया कि समारोह में लाडनं विधायक मुकेश भाकर, पूर्व मदरसा बोर्ड अध्यक्ष हिदायत खान धोलिया एवं सेवानिवृत आईएएस जाकिर हुसैन जयपुर, जनसेवक लियाकत अली, दलित नेता कालूराम गेनाणा, छात्र नेता शुभम रेवाड़, हमीद खां जयपुर, डाक्टर शमशाद अली चूरू, डीवाईएसपी विक्की नागपाल, डाक्टर बी एस रूहेला बतौर अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुए तथा शिक्षा, समाजसेवा, पर्यावरण, पत्रकारिता, सरकारी नौकरियो आदी में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करके उनकी हौसला अफजाई की गई। कार्यक्रम में भामाशाह, समाजसेवी, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वाले व्यक्तियों, बोर्ड कक्षाओं में 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले

व्यक्तियों को सम्मान से नवाजा जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मुस्लिम प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करना है, ताकि वे आगे भी समाज एवं देश के विकास में अपना योगदान देते रहें। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतू समिति द्वारा विभिन्न कमेटियों का गठन कर अलग अलग अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई है जिन्होंने अपनी भली-भांति जिम्मेदारी निभाई।इस अवसर पर क्युम सिसोदिया, पुर्व पार्षद रमजान सिसोदिया, पार्षद नोशाद सिसोदिया, पार्षद मुनसब खां, मोहम्मद अनीस, डाक्टर आलम अली सिसोदिया, मुख्य चीफ शहर काजी सैयद मोहम्मद अली असरफी, मौलाना मोहम्मद मदनी, मौलाना मोहम्मद शकिल, पुर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष भाणू खां टांक, सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी, सबीर खां लाडवाण, सैयद इरफान अली, कमरान बड़गुर्जर, आबिद बल्खी, इमरान खान, शरीफ तंवर, मास्टर फरमान, वशीम सिलावट, मंच संचालन राजूदान चारण व मास्टर इंशाफ खान ने संयुक्त किया।

सांचौर में भारतमाला परियोजना के ठेकेदार-मजदूरों का धरना शुरू

-समय से भुगतान न मिलने पर कलेक्टर-एसपी को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की दी चेतावनी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। भारतमाला परियोजना के पैकेज 4,6 और 7 में कार्यरत मजदूर,

छोटे कामगार और सब ठेकेदार धरने पर बैठ गए है। उनका आरोप है कि उन्हे लम्बे समय से भुगतान नहीं मिला है। इस संबंध में ठेकेदारों ने जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन भी सौंपा है। ज्ञापन में बताया कि प्रोजेक्ट के मुख्य ठेकेदार लक्ष्मी इंफ्रास्ट्रकर एण्ड डेवलपर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने बार-बार आश्वासन देने के बावजुद बकाया भुगतान नहीं किया है। इन मजदूरों और कामगारों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और लक्ष्मी कम्पनी के आग्रह पर अपने संसाधनों का उपयोग करके काम पूरा किया गया। लक्ष्मी इंफ्रास्ट्रकर एण्ड डेवलपर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक ने 17 जुलाई 2025 को एक बैठक में वादा किया था। कि मजदूरों का भुगतान 25 जुलाई तक और शेष बकाया का 50 प्रतिशत भुगतान 10 अगस्त तक कर दिया जाएगा। हालांकि ये वादे पूरे नहीं किए गए। इसके बाद प्राधिकरण ने बिना कोई भुगतान किए ही परियोजना का काम अन्य उप ठेकेदारों को सौंप दिया। जिससे श्रमिकों में असंतोष और बढ़ गया। इस समस्या को लेकर 4 अगस्त 2025 को सभी श्रमिकों ने कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन सौंपा था। शांतिपूर्ण धरने और दो दिन के अनशन के बाद प्रशासन के हस्तक्षेप से 13 अगस्त को न्यूनतम 2-0 प्रतिशत भुगतान किया गया था। उसी दिन लक्ष्मी इंफ्रास्ट्रकर एण्ड डेवलपर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने पुलिस निरीक्षक झाब की मौजूदगी में लिखित आश्वासन दिया था कि शेष भुगतान 21 अगस्त 2025 को तक कर दिया जाएगा। लेकिन 3 अक्टूबर 2025 तक भी किसी प्रकार का भुगतान नहीं किया गया है। उग्र आंदोलन करने की चेतावनी:- मजदूरों ने कहा कि कम्पनी द्वारा बार-बार तारीखें बदलकर गुमराह किया जा रहा है, जिससे उनकी आजीविका पर संकट गहरा गया है और वो मानसिक व आर्थिक तनाव से गुजर रहे है। वे मांग कर रहे है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और लक्ष्मी कम्पनी इस मामले की तत्काल जिम्मेदारी लें और बकाया भुगतान की गारंटी दें। श्रमिकों ने चेतावनी दी है कि यदि अब भीसमाधान नहीं हुआ तो वे अपना आंदोलन और उग्र करेगें।

मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान के उर्स की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

-उर्स 12 अक्टूबर रविवार को

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। अल इस्हाकिया अल अशफाकिया ट्रस्ट के अध्यक्ष हाजी मोइनुद्दीन अशरफी ने बताया कि हजरत मुफ्ती आजम ए राजस्थान का 12 वां उर्स मुबारक 12 अक्टूबर को दरगाह परिसर में आयोजित होगा। यह सालाना उर्स चोखा दरगाह स्थित हजरत अशफाक हुसैन नईमी रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह परिसर में आयोजित होता है उर्स में राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश से मुरीद आते हैं। ट्रस्टी मोहम्मद सदीक राजू और मोहम्मद आरिफ ने बताया कि उर्स मुफ्ती ए आजम राजस्थान में इस बार पीर बापू गुलाम हुसैन जिलानी साहब सुजा शरीफ, मोलाना मुहम्मद कलीम अशरफ जिलानो उत्तर प्रदेश, मोलाना मुहम्मद सईद नूरी मुम्बई, मौलाना शमसुद्दीन मकराना, मोलाना तौसीफ रजा, डॉ हफिजुर रहमान दिल्ली सहित कई स्थानीय ओलमा ए अहले सुन्नत शिरकत करेंगे। मीडिया प्रभारी साजिद खान ने बताया कि इस बैठक में शौकत खान, इस्माइल

बैग, मोहम्मद आरिफ, परवेज खान, मोहम्मद इरफान कुरैशी, रसूल बख्श, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद जाकिर, मौलाना रज्जब अली, नियामत पठान, फजलुद्दीन छिपा, सद्दीक राजु, समाजसेवी जावेद हुसैन, आरिफ मारसाब, उमर गोल्डन, साजिद आदिल, मोहम्मद जाकिर, मोबिन कादरी, जावेद जाय, साबिर अली, वसीम आफरिदो, मुख्तियार चिश्ती, फजलुद्दीन, पप्पू खान, हबीब खान, मुश्ताक अहमद, शोएब, साबिर हुसैन, मोहम्मद साजिद, राजू नूरी, आसिफ नूरी, इमरान कुरैशी, जुल्फिकार, रमजान अली सहित कई समाजसेवी, मुरीद ओर अकीदतमंद उपस्थित रह।

गीतांजली हॉस्पिटल बना मेडिकल पार्टनर

-गोयल हॉस्पिटल द्वारा आयोजित अग्रामैराथन में सहभागिता

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गोयल हॉस्पिटल द्वारा वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर आयोजित अग्रामैराथन में गीतेन्जली हॉस्पिटल ने मेडिकल

पार्टनर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन का उद्देश्य आमजन में हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। मैराथन के दौरान गीतांजली हॉस्पिटल की मेडिकल टीम ने प्रतिभागियों को तुरंत स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराई और पूरे कार्यक्रम में चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कीं। इस अवसर पर गीतांजली ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल, सीईओ ऋषि कपूर, हृदय रोग विभाग के एचओडी डॉ. रमेश पटेल एवं उनकी टीम, कार्डियक सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. संजय गांधी एवं उनकी टीम ने इस मैराथन की सराहना की और आयोजन की सफलता की शुभकामनाएँ दीं। गीतांजली हॉस्पिटल सदैव जनहित के लिए स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भागीदारी करता रहा है और भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक व स्वास्थ्य उन्मुख कार्यक्रमों में योगदान देता रहेगा।

सांचौर में यूथ कांग्रेस व आमजन का अनिश्चितकालीन धरना, एसडीएम की वार्ता के बाद धरना समाप्त

-एलिवेटेड ब्रिज और सड़क निर्माण कार्य में अनियमितताओं को लेकर धरना प्रदर्शन

मोहम्मद अब्बास

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। नेशनल हाईवे 68 पर निर्माणधीन एलिवेटेड ब्रिज और सड़क निर्माण कार्य में अनियमितताओं को लेकर यूथ कांग्रेस व आमजन ने विरोध जताते हुए अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया धरने में एजेंसी पर लाइट लाइन शिफ्टिंग में मनमानी का आरोप लगाया गया धरने पर मौजूद लोगों ने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर पुराने मेटेरियल का उपयोग कर अवैध रूप से कार्य करवाया गया है। नया सामान नही तो खरीदा गया और नहीं किसी तरह की सीटीएल जांच करवाई गई। वक्ताओं ने बताया कि एलिवेटेड ब्रिज निर्माण शुरू करने से पहले दोनों और सड़क निर्माण होना चाहिए था लेकिन कंपनी अपनी मनमानी की वजह से नहीं कर रही है परिणाम स्वरुप जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं आए दिन दुपहिया वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे हैं धूल के गुब्बारे की वजह से सामने कुछ दिखाई नहीं देता जिसके कारण परेशानियों का भंडार लगा पड़ा है आए दिन दुर्घटनाओं में लोग घायल हो रहे हैं हाल ही में सड़क पर गड्ढों के कारण पुलिस कांस्टेबल महिला सिपाही की मौत हो गई थी। सांचौर के विभिन्न संगठनों ने भी धरने का समर्थन किया। उपखंड अधिकारी प्रमोद कुमार एवं कंपनी के ठेकेदार पहुंचे वार्ता के लिए जिन्होंने यूथ कां ग्रेस युवा नेता गौरव सारण सहित वहा मौजूद लोगों के सामने कहा कि कल से दोनों साइड सर्विस रोड का कार्य शुरू हो जाएगा एवं अंडरग्राउंड बिजली की लाइनों को नियम अनुसार शिफ्ट किया जाएगा। इस प्रकार की जो प्रमुख मांगे थी वह कंपनी के ठेकेदार ने मानी और उसके आधार पर धरना स्थगित किया गया। अगर कंपनी के ठेकेदार काम शुरू नहीं करते हैं तो फिर से धरना शुरू किया जाएगा। युवा नेता गौरव सारण ने कंपनी के ठेकेदार पर सही कार्य नहीं करने का आरोप लगाया और दोनों और सर्विस सड़क का कार्य जल्दी शुरू कर दिया जाएगा ठेकेदार ने कहा है कि जितना जल्दी हो सके उतना में सर्विस लाइन क्लियर कर दूंगा। एसडीएम साहब के रूबरू वार्ता कर अनिश्चितकालीन धरने को समाप्त किया गया।

हिन्दुस्तान जिंक के सबसे पुराने देबारी जिंक स्मेल्टर में महिलाओं के लिए नाईटशिफ्ट की शुरुआत

-कंपनी के सभी स्मेल्टर और चार माइंस अब महिला इंजीनियरों के साथ पूर्णकालिक रूप से संचालित

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत की एकमात्र और दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी, हिन्दस्तान जिंक़ लिमिटेड ने अपनी विविधता और समावेशन की यात्रा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, राजस्थान के उदयपुर स्थित भारत के सबसे पुराने जिंक स्मेल्टर, जिंक स्मेल्टर देबारी में महिला कर्मचारियों के लिए नाईटशिफ्ट की शुरुआत की है। कंपनी ने अपने प्रमुख परिचालनों में महिला कर्मचारियों के लिए पहले ही बैकशिफ्ट (दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक) और नाइटशिफ्ट (रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक) शुरू कर दी है, जिनमें राजस्थान और उत्तराखंड में रामपुरा आगुचा माइन, पंतनगर मेटल प्लांट, चंदेरिया स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स, कायड़ माइन, जावर माइंस और सिंदेसर खुर्द माइन शामिल हैं। इन प्रगतिशील कदमों से हिन्दस्तान जिंक़ ने 26 प्रतिशत से अधिक का जेंडर डायवर्सिटी अनुपात हासिल किया है, जो भारत के मेटल, माइनिंग और हैवी इंजीनियरिंग क्षेत्रों में सबसे अधिक में से एक है। साथ ही महिला कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए मजबूत उपाय किए गए हैं, ताकि उन्हें एक सुरक्षित कार्यस्थल मिल सके। इस उपलब्धि के बारे में हिन्दस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन, प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि, यह हिन्दस्तान जिंक के लिए गर्व का क्षण है और भारत के मेटल और माइनिंग सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारे जिंक स्मेल्टर देबारी में महिलाओं को नाइटशिफ्ट में शामिल कर, हम न केवल बाधाओं को तोड़ रहे हैं, बल्कि समावेशन के नए मानक भी स्थापित कर रहे हैं। सच्ची प्रगति प्रत्येक व्यक्ति को पूर्ण रूप से भाग लेने, निडर होकर नेतृत्व करने और समान रूप से आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाने से आती है - और हम एक ऐसा कार्यस्थल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं जहाँ विविधता नवाचार और विकास को बढ़ावा देती है। अत्याधुनिक तकनीक, मजबूत सुरक्षा उपायों और प्रगतिशील नीतियों के साथ, हिन्दस्तान ज़िंक पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान कार्यस्थलों को भविष्य के लिए तैयार, समावेशी वातावरण में बदलना जारी रखे हुए है। भारत की पहली महिला भूमिगत खदान प्रबंधकों की नियुक्ति से लेकर देश की पहली महिला भूमिगत खदान बचाव टीम की स्थापना तक, कंपनी की अग्रणी पहल लैंगिक समावेशन के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। देबारी में स्मेल्टर संचालन की ग्रेजुएट ट्रेनी, रुबीना अगवानी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि, जिंक स्मेल्टर देबारी में नाईटशिफ्ट में काम करने वाली पहली महिलाओं में शामिल होना एक सशक्त अनुभव है। हिन्दस्तान जिंक की समावेशी संस्कृति, सुरक्षा प्रोटोकॉल और मार्गदर्शन ने मुझे

सीमाओं को आगे बढ़ाने और पेशेवर रूप से आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया है। यह पहल न केवल मेरे करियर को आगे बढ़ाएगी, बल्कि मेटल और माइनिंग सेक्टर में अवसरों का लाभ उठाने के लिए अन्य महिलाओं को प्रेरित भी करेगी। हिन्दस्तान जिंक़ के लिए, विविधता और समावेशन मुख्य व्यावसायिक अनिवार्यताएं हैं। नियामकों के साथ साझेदारी में, कंपनी अवसर प्रदान कर रही है और बाधाओं के बिना भविष्य को आकार दे रही है। यह एक ऐसे कार्यस्थल की ओर एक परिवर्तनकारी कदम है जहां विविधता नवाचार को बढ़ावा देती है और समावेशन विकास को गति देता है। जैसे-जैसे दुनिया धातु-प्रधान भविष्य की ओर बढ़ रही है, हिन्दस्तान जिंक एक न्यायसंगत और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। एक ऐसे क्षेत्र में जहाँ महिलाओं का प्रतिनिधित्व पारंपरिक रूप से कम रहा है, कंपनी धातु और खनन क्षेत्र में बढ़ते कौशल अंतर को पाटने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानती है। सभी स्तरों पर महिलाओं के प्रतिनिधित्व को सक्रिय रूप से बढ़ाकर, कंपनी उद्योग को महिला पेशेवरों के लिए अधिक समावेशी, विविध और आकांक्षी बना रही है। हिन्दस्तान जिंक का प्रमुख अभियान, वुमेन ऑफ जिंक, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उद्योग के भविष्य को आकार देने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। 2030 तक 30 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व प्राप्त करने की मजबूत प्रतिबद्धता के साथ, कंपनी न केवल अपने कार्यबल में बदलाव ला रही है, बल्कि जिंक को ध्यान में रखते हुए धातुओं के भविष्य को पुनर्परिभाषित और नेतृत्व भी कर रही है।

महात्मा गांधी जयंती पर बापू को याद किया, पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

-जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर 02 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर गुरुवार को पुराने कलक्ट्रेट परिसर स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, एडीएम अर्पिता सोनी सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी और बापू को याद कर उनके विचारों को आत्मसात किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि "महात्मा गांधी न केवल भारत की स्वतंत्रता के महानायक थे, बल्कि वे मानवता, नैतिकता, सत्य और अहिंसा के मूर्त स्वरूप थे। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर असाधारण व्यक्तित्व हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने यह सिखाया कि सत्य व अहिंसा जीवन जीने का एक तरीका है। सत्य और अहिंसा किसी भी संघर्ष का सबसे बड़ा हथियार हो सकते हैं। हमें गांधीजी के विचारों से जुड़कर समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को समझना चाहिए। उन्होंने कहा

कि गांधीजी का दर्शन आज के सामाजिक— सांसारिक संदर्भों में अत्यंत प्रासंगिक है। जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल ने कहा कि गांधीजी का 'ग्राम स्वराज' का सपना आज भी हमारी पंचायती राज व्यवस्था की आत्मा है।उन्होंने ग्रामीण भारत को सशक्त करने का जो सपना देखा था, आज हमें उस दिशा में समर्पित प्रयास करने की आवश्यकता है। उनका खादी व स्वदेशी का विचार भारत को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाता है। इस अवसर पर उपस्थितों ने महात्मा गांधी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर बापू को याद किया। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में रामधुनी और भजन गाकर महात्मा गांधी को याद किया। गायक प्रभुदयाल सैनी, लक्ष्मी शर्मा ने "वैष्णव जन तो तेने कहिए", "रघुपति राघव राजा राम" आदि गांधीजी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, डीईओ माध्यमिक संतोष महर्षि, एसजेईडी डीडी नगेन्द्र सिंह, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह, भास्कर शर्मा, विमला गढ़वाल, सुरेश सारस्वत, दीनदयाल सैनी, मोहन गढ़वाल, सूर्यकांत चोटिया सहित अन्य मौजूद रहे।

शैक्षणिक संस्थानों में स्वीप के तहत गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशानुसार अंता विधानसभा क्षेत्र के समस्त महाविद्यालय एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

वही महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बामला में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता पर गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने विद्यार्थियों को निर्वाचन आयोग के ऑनलाइन एप्लीकेशंस की जानकारी दी, साथ ही वोटर हेल्पलाइन एप से पंजीकरण करने की प्रक्रिया को समझाया, प्रतियोगिता में कक्षा दसवीं के चंचल, प्रिया, राधिका एवं कनिका शर्मा का ग्रुप विजेता रहा। इस दौरान सुपरवाइजर प्रमोद यदुवंशी, बीएलओ बुद्धेश नागर, स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - **8058969180/9799559096**

दार-अल-अरक़म पब्लिक स्कूल में नन्हे-मुन्नों द्वारा कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन

-ब्लू कलर दिवस मनाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दिल्ली बाई पास रोड, ईदगाह के सामने स्थित दार-अल-अरक़म पब्लिक स्कूल ने छात्रों के लिए रचनात्मक और मनोरंजक गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसमें वेजिटेबल प्रिंटिंग, गमले की सजावट और ब्लू कलर दिवस शामिल थे। नन्हे-मुन्नों ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। सब्ज़ी प्रिंटिंग के माध्यम से, उन्होंने प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग करके रंगों और पैटर्न की खोज की। गमले की सजावट गतिविधि में, छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए फूलों के गमलों को खूबसूरती से डिज़ाइन और चित्रित किया। नीला रंग दिवस के अवसर ने इस कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए, क्योंकि कक्षाएँ नीले रंग के समुद्र में बदल गईं, जो शांति और सुकून का प्रतीक है। इन गतिविधियों ने बच्चों को रचनात्मकता और मनोरंजन के माध्यम से सीखने में मदद की, जिससे यह दिन सभी के लिए यादगार बन गया।

आज से बदल गया बैंक चेंक क्लियरेंस का नियम, तीन घण्टे में होंगे चेक क्लियर

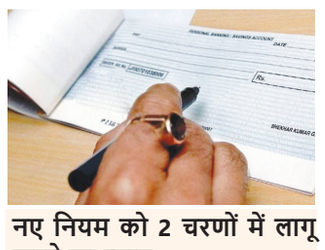

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चेक क्लियरेंस नई व्यवस्था शुरुआत में बड़े शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई के क्लियरिंग ग्रिड पर लागू होगी, फिर देशभर में इस नियम को लागू किया जाएगा। बैंकिंग सिस्टम (Banking System) में 4 अक्टूबर 2025 से बड़ा बदलाव होने जा रहा है। दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 4 अक्टूबर से फास्ट चेक क्लियरेंस सिस्टम (Fast Cheque Clearance System) लागू करने का फैसला किया है। इस नई व्यवस्था से चेक जमा कराने पर पैसे उसी दिन खातों में जमा हो सकेंगे, पहले की तरह 1–2 दिन इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

RBI का बड़ा फैसला:-

फिलहाल चेक क्लियरेंस में कुछ दिन का वक्त लग जाता है। जिसे बदलकर अब RBI नई व्यवस्था के तहत Continuous Cheque Clearing मोड पर ले आएगा। इसके तहत सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक जो भी चेक जमा होंगे, उनकी इमेज और डेटा तुरंत स्कैन करके क्लियरिंग हाउस को भेजी जाएगी। उसे शाम 7 बजे तक चेक कंफर्म करना होगा। अगर बैंक समय पर जवाब नहीं देता है, तो चेक को ऑटोमैटिक क्लियर मान लिया जाएगा।

नए नियम को 2 चरणों में लागू करने का प्लान:-

चरण- 1: 4 अक्टूबर 2025 से 2 जनवरी 2026 तक बैंक को शाम 7 बजे तक पुष्टि का समय रहेगा।

चरण- 2: 3 जनवरी 2026 से बैंक को चेक कंफर्म करने के लिए केवल 3 घंटे का समय मिलेगा। अगर सुबह 10 बजे चेक भेजा गया है, तो दोपहर 2 बजे तक इसे क्लियर करना पड़ेगा। जिससे क्लियरेंस और भी तेज हो जाएगी। यह नई व्यवस्था शुरुआत में बड़े शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई के क्लियरिंग ग्रिड पर लागू होगी, फिर देशभर में इस नियम को लागू किया जाएगा। इससे बैंकिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की गुणवत्ता में सुधार होगा और चेक भुगतान अनुभव कहीं अधिक सहज बन जाएगा। इसमें ग्राहक बैंक को चेक के महत्वपूर्ण विवरण पहले से बताते हैं, इससे धोखाधड़ी की संभावना कम होगी और गलत चेक ऑटोमैटिक रूप क्लियर नहीं होंगे।

निषाद कुमार और सिमरन ने भारत को दिलाए दो स्वर्ण पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में शुक्रवार का दिन भारत के लिए बेहद खास रहा। भारत के निषाद कुमार और सिमरन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। निषाद कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी-47 स्पर्धा में और सिमरन ने महिलाओं की 100 मीटर टी-12 स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। भारत ने इन दो स्वर्ण पदकों की बदौलत पदक तालिका में बड़ा उछाल लगाया और 11वें स्थान से सीधे चौथे स्थान पर पहुंच गया। मौजूदा पदक तालिका में ब्राजील 12 स्वर्ण, 18 रजत और 7 कांस्य के साथ पहले, चीन 9 स्वर्ण, 16 रजत और 13 कांस्य के साथ दूसरे और पोलैंड 8 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत अब तक कुल 15 पदक जीत चुका है, जिसमें 6 स्वर्ण, 5 रजत और 4 कांस्य शामिल हैं।

इससे पहले भारत की प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर टी-36 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता, जबकि प्रदीप कुमार ने पुरुषों की डिस्कस थ्रो एफ-46 स्पर्धा में एक और कांस्य पदक दिलाया। निषाद कुमार ने ऊंची कूद में शानदार प्रदर्शन करते हुए तुर्किये के अब्दुल्ला इल्गाज और अमेरिका के तीन बार के चैंपियन रोडरिक टाउनसेंड को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने 2.18 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस दौरान उन्होंने एशियाई रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इल्गाज ने 2.08 मीटर की कूद लगाकर यूरोपीय रिकॉर्ड हासिल किया, लेकिन निषाद ने उन्हें पछाड़ दिया। वहीं, टाउनसेंड केवल 2.03 मीटर तक ही कूद पाए और बाहर हो गए।

महिलाओं की 100 मीटर टी-12 स्पर्धा में सिमरन ने गाइड उमर सैफी के साथ शानदार तालमेल दिखाया। उन्होंने पहले सेमीफाइनल में 12.08 सेकंड का समय निकाला और पहली बार फाइनल में 12 सेकंड की बाधा तोड़ते हुए 11.95 सेकंड में दौड़ पूरी की। यह उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। भारत के खिलाड़ियों ने घरेलू दर्शकों के सामने दबाव में भी संयम बनाए रखा और देश का नाम रोशन किया। इन जीतों के साथ भारत के पदक जीतने का सिलसिला और तेज हो गया है।

वक़्फ़ बोर्ड के पूर्व कार्यकारी सीईओ डॉ. सगीर अहमद के निधन पर शोक सभा आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान मुस्लिम वक्फ़ बोर्ड के पूर्व कार्यकारी सीईओ डॉ. सगीर अहमद का निधन गुज़िश्ता 23 सितम्बर,25 को दिल का दौरा पड़ने से हो गया था और उनके पुस्तैनी गाँव आबाई क़स्बे बहतेड़ तहसील मलारना डूंगर, ज़िला सवाई माधोपुर में सुपुर्द-ए-ख़ाक किया गया । इसी सिलसिले में जयपुर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया । जिसमें डॉ. सगीर अहमद की काबिलियत और काम के प्रति रुझान का ज़िक्र किया गया । वे उर्दू लिट्रेचर में डॉक्टर PhD. थे, प्रोफ़ेशनल डॉक्टर BUMS भी थे और क़ुरआन के हाफ़िज़ भी थे, साथ में इस्लामिक स्टडीज के बड़े एक्सपर्ट भी थे । डॉ. सगीर अहमद दारुल उलूम देवबंद के फ़ारिग-उत-तहसील (स्नातक), अरबी, फ़ारसी, उर्दू, हिंदी और अंग्रेज़ी के मशहूर आलिम (विद्वान) थे। बैंगलोर मुतरजिम (अनुवादक) उनकी क़ाबिलियत की क़ाबिल-ए-तारीफ़ थी। उनकी सरकारी ड्राफ़्टिंग की महारत (कौशल) बेमिसाल थी। अपने मुफ़ीद (उपयोगी) मशवरों से उन्होंने तक़रीबन 40 साल तक राजस्थान वक़्फ़ बोर्ड की ख़िदमत की । इसके अलावा उनकी राजस्थान उर्दू अकादमी के सेक्रेटरी की हैसियत से पंद्रह माह तक ख़िदमात मिसाली (आदर्श) थीं। हाल ही में, दीनी जनरल नॉलेज की अहल-ए-किताब भी आपने तरतीब (व्यवस्थित) दी और एक पुरवक़ार (गरिमामय) जलसे में इसका इजरा (विमोचन) हुआ। वह मज़हबी (धार्मिक), समाजी और तालीमी तंज़ीमों (शैक्षणिक संगठनों) से हमेशा जुड़े रहे। आपके इंतक़ाल की ख़बर सुनकर राजस्थान उर्दू अकादमी के साबिक़ सदर (पूर्व अध्यक्ष) डॉ. हबीब-उर-रहमान नियाज़ी और हुसैन रज़ा ख़ान, हमारी ताक़त के सरपरस्त और मीटिंग एडिटर मोहम्मद महमूद ख़ान, उनके क़रीबी अहबाब (मित्र) मोहम्मद शाकिर, मोहम्मद इफ़्तिख़ार, मोहम्मद इरशाद, अब्दुल वहीद, डॉ. नियाज़ ज़ीनत, ग़ुलाम रसूल अनीस, उर्दू अकादमी स्टाफ़ व जयपुर समेत राजस्थान के मुख़्तलिफ़ (विभिन्न) इलाक़ों से ताज़ियत (शोक) पेश की।

अल्लाह तआला अहल-ए-ख़ाना (परिवार) को ये सदमा बर्दाश्त करने के लिए सब्र, तसल्ली और हिम्मत अता फ़रमाए और मरहूम की मग़फ़िरत फ़रमाए और जन्नत उल-फ़िरदौस में आला मक़ाम अता फ़रमाए।

बरेली में मौलाना तौकीर के करीबी डॉ. नफीस का अवैध बरातघर बुलडोजर से ध्वस्त

बरेली। बरेली में मौलाना तौकीर रजा के करीबी डॉ. नफीस का बरातघर छह घंटे में चार बुलडोजर ने ध्वस्त कर दिया। मकान को जमींदोज करने के लिए सात मजदूरों ने घन भी चलाए। वर्ष 2024 में प्राधिकरण ने पहला नोटिस दिया था। पांच माह पहले ध्वस्तीकरण का आदेश हो गया था। बरेली में मौलाना तौकीर के करीबी डॉ. नफीस के जखीरा मोहल्ले में आवासीय नक्शे पर बनाए गए बरातघर (रजा पैलेस) पर शनिवार को बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) के चार बुलडोजर छह घंटे तक गरजते रहे। उसे जमींदोज करने के लिए सात मजदूरों ने घन भी चलाए गए। दोपहर एक बजे से शुरू हुई कार्रवाई शाम सात बजे तक चली। बीडीए के अफसरों ने बताया कि वर्ष 2024 में ही नफीस को पहला नोटिस दिया गया था। पांच माह पहले ही बरातघर के ध्वस्तीकरण का आदेश हो गया था, जिसे अब अमल में लाया गया है। 26 सितंबर को आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के बुलावे पर जुटी भीड़ जुटाने और पुलिस टीम पर पथराव और फायरिंग का आरोप है। इसके बाद आरोपियों पर कार्रवाई का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में शनिवार को डॉ. नफीस के जखीरा मोहल्ले में कसाईखाने के पास स्थित रजा पैलेस को बीडीए ने ध्वस्त कर दिया।

शाम तक बरातघर जमींदोज

किला पुलिस के साथ पीएसी की टीम ने मौके पर पहुंचकर पहले स्थिति का जायजा लिया। इसके थोड़ी देर बाद जिला प्रशासन और बीडीए की टीम चार बुलडोजरों के साथ पहुंची। बुलडोजर गरजे तो घन लेकर पहुंचे मजदूरों ने भी बरातघर के ऑफिस को गिराना शुरू कर दिया। शाम तक बरातघर जमींदोज हो गया। प्रशासन के अनुसार जखीरा में रजा पैलेस का अवैध निर्माण वक्फ की जमीन पर किया गया है। जिसके मुतवल्ली शोयेब बेग हैं। जानकारी के मुताबिक, यह हॉल शोयेब के साथ साझेदारी में बनाया गया था। बवाल के मुख्य आरोपियों में शामिल नफीस को शोयेब का रिश्तेदार बताया जा रहा है। हालांकि, किसी ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

आलिया खान ने जीती शतरंज प्रतियोगिता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 13 वर्षीय आलिया खान ने शतरंज प्रतियोगिता 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। आलिया सातवीं कक्षा की छात्रा है और राजस्थान सरकार के जलदाय विभाग के रिटायर चीफ इंजीनियर आईडी खान की पोती है। एमजीडी स्कूल की छात्रा आलिया खान की शतरंज खेल में इंटरेस्ट को देखते हुए भविष्य में विशेष उपलब्धि हासिल करने की संभावना है।

संभल में बुलडोजर से मस्जिद और मैरिज हॉल पर कार्रवाई

-ओवैसी ने जताई नाराज़गी

संभल। संभल ज़िले के राया बुज़ुर्ग गांव में गुरुवार सुबह दशहरे के दिन प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। यहां एक मैरिज हॉल और उसके बगल में बनी मस्जिद को अवैध निर्माण बताते हुए गिराने की प्रक्रिया शुरू की गई। जिला प्रशासन का कहना है कि दोनों निर्माण तालाब की जमीन पर किए गए थे, इसलिए इन्हें हटाना ज़रूरी है। इस दौरान भारी पुलिस बल और पीएसी की तैनाती की गई तथा पूरे इलाके को छावनी में बदल दिया गया।

प्रशासन की कार्रवाई-

प्रशासन के अनुसार, करीब 30,000 वर्ग फीट में फैला मैरिज हॉल और 550 वर्ग फीट में बनी मस्जिद तालाब की ज़मीन पर कब्ज़ा करके बनाए गए थे। पहले चरण में मैरिज हॉल को बुलडोजर से गिराया गया। इसके बाद मस्जिद को भी ध्वस्त किया जाना था। इस दौरान जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई मौके पर मौजूद रहे। कार्रवाई की गंभीरता को देखते हुए 200 पुलिसकर्मी और पीएसी जवान तैनात किए गए। साथ ही, ड्रोन से भी निगरानी रखी गई ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति को रोका जा सके।

स्थानीय लोगों की अपील और प्रतिक्रिया-

जब बुलडोजर मस्जिद की तरफ बढ़ा तो स्थानीय लोग आगे आए और प्रशासन से चार दिन का समय मांगा। उन्होंने कहा कि वे स्वयं ही मस्जिद को ढहा देंगे। जिलाधिकारी से अनुमति मिलते ही ग्रामीणों ने खुद ही मस्जिद तोड़ने का काम शुरू कर दिया। इससे यह साफ हो गया कि स्थिति को टकराव से बचाने के लिए प्रशासन और लोगों के बीच बातचीत का रास्ता निकाला गया।

ओवैसी की प्रतिक्रिया-

इसी बीच, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने इस कार्रवाई पर नाराज़गी जताई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म X पर लिखा कि यह बुलडोजर से जुल्म किया जा रहा है और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का पालन नहीं किया जा रहा। ओवैसी का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई कानून और न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।

कानूनी और सामाजिक पहलू-

बुलडोजर कार्रवाई को लेकर लगातार यह सवाल उठता रहा है कि क्या प्रशासन इस तरह की कार्रवाइयों में कानूनी प्रक्रिया का पूरा पालन करता है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट पहले भी कह चुका है कि किसी भी अवैध निर्माण को गिराने से पहले उचित नोटिस और समय दिया जाना चाहिए। हालांकि, संभल प्रशासन का दावा है कि इस मामले में पहले से ही नोटिस जारी किए गए थे और यह ज़मीन सरकारी रिकॉर्ड में तालाब की ज़मीन दर्ज है। संभल की यह घटना फिर से देशभर में बुलडोजर राजनीति पर बहस को तेज़ कर देगी। एक तरफ प्रशासन का कहना है कि सरकारी ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, वहीं दूसरी ओर इसे धार्मिक भावनाओं और समुदाय विशेष से जोड़कर देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का स्वयं मस्जिद तोड़ने का कदम यह दिखाता है कि टकराव की स्थिति टालने की कोशिश हुई।

नामी IAS कोचिंग संस्थान पर 5 लाख का जुर्माना

-दृष्टि IAS ने UPSC में 216 बच्चों के सेलेक्शन का दिया था झूठा विज्ञापन, लगा 5 लाख का जुर्माना

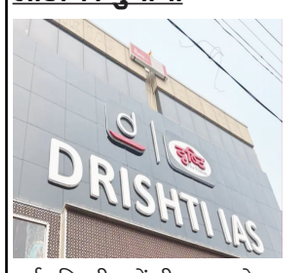

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) ने दृष्टि IAS पर यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 के परिणामों के बारे में भ्रामक विज्ञापन देने के आरोप में ₹5 लाख का जुर्माना लगाया है। CCPA के अनुसार, दृष्टि IAS ने अपने प्रचार में गलत दावा किया कि उसने 216+ उम्मीदवारों को चयनित कराया है। जबकि असल में इस सफलता में संस्थान की भूमिका और पाठ्यक्रम की जानकारी छिपाई गई थी। यह मामला पिछले वर्षों में इसी तरह की शिकायतों और जुर्मानों का दूसरा उदाहरण है, जिससे यह साफ होता है कि कोचिंग संस्थानों को अपने विज्ञापनों में पूरी और और सही जानकारी देना अनिवार्य है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।

संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com